RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 सोनाली बेंद्रे ने की फेमिनिज्म...

वर्ष : 26 अंक : 128 website:www.chetnamanch.com नोएडा, मंगलवार, 30 अप्रैल, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

कोविशील्ड वैक्सीन लगवाई है तो रहें सावधान!

● कभी भी हो सकता है हार्ट अटैक तथा ब्रेन स्ट्रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि आपने कोरोना से बचने के लिए कोविशील्ड वैक्सीन लगवाई है तो सावधान रहें। आपको कभी भी हार्ट अटैक तथा ब्रेन स्ट्रोक हो सकता है। कंपनी ने स्वयं लंदन की अदालत में इस बात को कबूल किया है।

लंदन की एक अदालत में कोरोना की दवा बनाने वाली ब्रिटेन की फार्मास्युटिकल कंपनी एस्ट्राजेनेका ने पहली बार स्वीकार किया है कि उनकी कोविशील्ड वैक्सीन से गंभीर साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। एस्ट्राजेनेका ने यूके हाईकोर्ट में कबूल किया कि कोविड-19 वैक्सीन से थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम तथा हार्ट अटैक जैसे साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं।

थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम से शरीर में खून के थक्के जमने लगते हैं या बॉडी में प्लेटलेट्स तेजी से गिरने लगते हैं। बॉडी में ब्लड क्लॉट की वजह से ब्रेन स्ट्रोक या कार्डियक अरेस्ट की आशंकाएं बढ़ जाती हैं। एस्ट्राजेनेका ने लंदन की अदालत यानि कि यूके हाईकोर्ट के समक्ष कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के आरोपों को स्वीकार किया। लेकिन साथ में कंपनी ने वैक्सीन के पक्ष में अपने तर्क भी रखे। बता दें कि कंपनी इस वैक्सीन को दुनियाभर में कोविशील्ड और वैक्सजेवरिया नाम से बेचती है।

एस्ट्राजेनेका के खिलाफ ब्रिटेन के जेमी स्कॉट नाम के शख्स ने केस दर्ज कराया है. स्कॉट का नाम है कि कंपनी की कोरोना वैक्सीन की वजह से वह थ्रोम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम की समस्या से जूझ रहे हैं। वह ब्रेन डैमेज का शिकार हो गए थे। कंपनी की कोरोना वैक्सीन के खिलाफ दर्जनभर से ज्यादा लोगों ने कोर्ट का रुख किया है। इन लोगों का आरोप है कि वैक्सीन लेने के बाद उन्हें साइड इफेक्ट्स का सामना करना पड़ा है। इन लोगों ने मुआवजे की मांग की है।

यहां यह बताना जरूरी है कि लंदन समेत पूरी दुनिया में इस बात की आशंका पहले से थी कि कोविड की वैक्सीन के टीके से हार्ट अटैक होने का खतरा पैदा होता है। लंदन हो अथवा भारत इस प्रकार के अनेक मामले सामने आ चुके हैं जिनमें कोविड की वैक्सीन के बाद हार्ट अटैक हुए हैं।

मुठभेड़ में दो महिलाओं समेत 7 नक्सली ढेर

● भारी मात्रा में एके-47 व विस्फोटक सामग्री बरामद

नारायणपुर (छत्तीसगढ़), एजेंसी। अबुझमाड़ में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच बड़ी मुठभेड़ हो रही है। डीआरजी-एसटीएफ के जवानों ने अबुझमाड़ के जंगलों में नक्सलियों को कई तरफ से घेर लिया है। खबर है कि एनकाउंटर में 7 नक्सली मारे गए हैं। जवानों ने अभी तक 2 महिलाओं सहित 7 माओवादी कैडर के शवों को बरामद कर लिया है। बस्तर आईजी सुंदर राज पी ने बताया कि मौके से एक एके-47 सहित भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक सामग्री मिली है। इलाके में सर्चिंग बढ़ा दी गई है। उन्होंने बताया कि यह मुठभेड़ नारायणपुर/कांकेर सीमावर्ती इलाके में अबुझमाड़ के टेकमेटा और काकूर के मध्य जंगल में हो रही है।

गौरतलब है कि 29 अप्रैल को भी सुकमा में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया था। यह एनकाउंटर सलातोंग इलाके में हुआ था। यहां एनकाउंटर

उस वक्त हुआ, जब डीआरजी जवान सर्चिंग पर निकले थे। मुठभेड़ में कई नक्सलियों को गोली लगी थी। इसके बाद जवानों ने यहां सर्चिंग बढ़ा दी है। बता दें, छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में इन दिनों नक्सली मुठभेड़ें बढ़ गई हैं। इन मुठभेड़ों में सबसे बड़ा एनकाउंटर 16 अप्रैल को हुआ था। यह एनकाउंटर कांकेर में हुआ था। सुरक्षाबलों-नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 29 नक्सली ढेर हो गए थे। ये मुठभेड़ इतनी बड़ी थी कि जवानों के लिए अतिरिक्त फोर्स भेजी गई थी। यहां से सुरक्षाबलों को AK-47 सहित बड़ी संख्या में ऑटोमैटिक हथियार बरामद हुए थे। इस दौरान मारे गए नक्सलियों में टॉप नक्सल कमांडर शंकर राव भी मारा गया था। उसके सिर पर 25 लाख रुपये का इनाम था।

अज्ञात वाहन की टक्कर में बाइक सवार की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बादलपुर क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने एक मोटस साइकिल को टक्कर मार दी। जिससे मोटर साइकिल सवार की मौत हो गई।

थाना बादलपुर क्षेत्र के डेरी मच्छा गांव के पास बीती रात को एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल सवार तारा सिंह पुत्र बाबूराम उम्र 22 वर्ष को टक्कर मार दी।

थाना बादलपुर के प्रभारी निरीक्षक अमरेश कुमार सिंह ने बताया कि घायल को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उनकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बेलगाम कार की टक्कर से दो महिलाओं समेत पांच घायल, चारदीवारी क्षतिग्रस्त

नोएडा (चेतना मंच)। आज एक बेलगाम कार की टक्कर में सेक्टर-55 में दो महिलाओं समेत पांच लोग घायल हो गए। यह मामला सेक्टर-58 कोतवाली क्षेत्र का है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज तड़के करीब 6.30 बजे यूपी-14 सीएम 1982 सिलेरियो कार सवार (शेष पृष्ठ-3 पर)

सुबह की सैर को निकले दंपत्ति को कैब ने कुचला, हालत गंभीर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

बिसरख थाना क्षेत्र के सुपरटेक इकोविलेज सोसायटी में रहने वाले एक दंपित्त को कैब चालक ने उस वक्त टक्कर मार दी जब दोनों सुबह की सैर कर रहे थे। गंभीर रूप से घायल दंपत्ति को यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां दोनों की हालत गंभीर बनी हुई है। आरोपी घटना का अंजाम देकर मौके से फरार हो गया।

पीड़ित के भाई संजय रैना ने बताया कि उनका भाई संदीप रैना और भाभी सोनिया रैना मंगलवार की सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। परिवार सुपरटेक इकोविलेज सोसाइटी में रहता है। सुबह करीब 7:00 बजे पीछे से एक कैब चालक ने पति-पत्नी को कुचल दिया। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके भाई ने दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में एडमिट करवाया, जहां पर उनकी स्थिति काफी नाजुक बनी हुई है।

पीड़ित का कहना है कि उन्होंने इस मामले की शिकायत पुलिस से की है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 29 लाख रुपये ठगे

फर्जी ट्रेडिंग एप से जोड़कर निवेश कराई धनराशि

नोएडा (चेतना मांच)। साइबर अपराध थाने में एक व्यक्ति से शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 29 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-62 स्थित के सुनील भाटिया ने दर्ज कराई एफआइआर में बताया कि जनवरी 2024 में फेसबुक के जरिये उनकी मुलाकात एक व्यक्ति से हुई।

वाट्सएप के जरिये बातचीत करते हुए उसने खुद को स्टाक स्पेशल ट्रेनिंग कंपनी का प्रतिनिधि बताया। उसने बताया कि वह स्टाक मार्केट में निवेश करने के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण देते हैं। इसके बाद कुछ सुझाव दिए और एक खुद के एप के बारे में जानकारी दी।

बताया कि तीन संस्थानों के साथ उनका करार है जो शेयर बाजार में बेहतर लाभ दिलाते हैं। आरोपित ने वाट्सएप के जरिये विराद गांधी, हिना मेहता और प्रीति राठी से मिलवाया। इस दौरान उन्होंने आइपीओ में आफर देकर निवेश के लिए भरोसा दिलाया। इसके बाद जालसालों ने झांसे में लेकर 29 लाख रुपये निवेश करा दिए। इसके बाद शिकायतकर्ता ने जब निवेश किए गए रुपये निकालने के बारे में कहा तो जालसाजों ने बातचीत बंद कर दी। यही नहीं एप भी बंद कर दिया।

पीड़ित के मुताबिक एप पर किए निवेश में चार लाख रुपये का लाभ भी हुआ। ठगी का अहसास होने के बाद पीड़ित ने मेहनत की कमाई वापस दिलाने की गुहार लगाई है। साइबर अपराध थाना प्रभारी उमेश नैथानी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

लुक्सर जेल में कैदी की संदिग्ध मौत

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)।

ग्रेटर नोएडा के लुक्सर जेल में (22 वर्षीय) कैदी संदीप उर्फ नन्हे की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत। ईकोटेक-1 थाना पुलिस ने उसे 1 महीने पहले पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में भेजा जेल था। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि जेल के अंदर संदीप की हत्या की गई है। परिजनों के मुताबिक 2 दिन बाद संदीप की जमानत होनी थी। परिजनों ने जेल प्रशासन पर बड़ी लापरवाही का आरोप लगाया है।

आरोप है कि लुक्सर जेल में कैदियों को प्रताड़ित करना और अवैध

वसूली का पूर्व में भी कई मामले सामने आ चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक जिला प्रशासन घटना को रफा दफा करने में जुटा हुआ है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

चाय कंपनी में लगी भीषण आग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक- 12 में स्थित एक चाय बनाने वाली कंपनी ने आज सुबह भयंकर आग लग गई। मौके पर पहुंची दमकल विवाह के आठ गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक- 12 क्षेत्र में स्थित मास्टरब्लेंड प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी जिसमें चाय बनाया जाता है, उसमें अज्ञात कारण से आज सुबह को आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग की सूचना पाकर मौके पर दमकल विभाग की आठ गाड़ियां पहुंची। उन्होंने बताया कि 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू

पाया गया। सीएफओ ने बताया कि इस घटना में कोई जन- हानि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारण और आग से हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

पहले 73 लाख हड़पे, अब केस वापस लेने को दे रहे हैं धमकी

नोएडा (चेतना मांच)। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में 73 लाख रूपये हड़पने के बाद आरोपी केस वापस लेने के लिए पीड़िता को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। सेक्टर-61 की अनन्या बहल ने दर्ज कराई एफआइआर में बताया कि दिल्ली रोहिणी सेक्टर-15 स्थित माडर्न अपार्टमेंट के प्रवीण कुमार बंसल उनके पिता के दोस्त और पारिवारिक संबंध थे। इस कारण वर्ष 2011 से 2013 के बीच दादा बीएस बहल, दादी सुशीला देवी बहल, पिता अनुपम बहल और मां दीपा बहल ने एनईएफटी व आरटीजीएस के माध्यम से 73 लाख रुपये प्रवीण कुमार बंसल को दिए। तब से रुपये मांगने पर देने का आश्वासन देकर टालते रहे। वर्ष 2017 शिकायतकर्ता के पिता का देहांत हो गया। इसके बाद मई 2019 में रुपये मांगे तो आरोपित की ओर से आइसीआइसीआइ बैंक का एक चेक दिया गया। चेक को बैंक में भुगतान के लिए लगाया तो वह बाउंस हो गया। शिकायतकर्ता की ओर से एक नोटिस आरोपित को भेजा गया। इसके बाद दिल्ली में एनआइए एक्ट का मुकदमा दर्ज कराया गया, जो रोहिणी कोर्ट में विचाराधीन है। आरोप है कि अब आरोपित की ओर से उन्हें और उनके परिवार के लोगों को धमकी मिल रही है।

मेट्रो कोच रेस्तरां का शुभारंभ आज शाम

एनएमआरसी के एमडी डा. लोकेश एम करेंगे उदघाटन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच चलने वाली नोएडा मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एनएमआरसी) के एक्वा लाइन पर आज शाम को पहला मेट्रो कोच रेस्तरां का शुभारंभ होगा।

एनएमआरसी के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि आज शाम को करीब 7.30 बजे सेक्टर-137 मेट्रो स्टेशन पर इस मेट्रो कोच रेस्तरां का शुभारंभ किया जाएगा। एनएमआरसी के प्रबंध निदेशक तथा नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डा. लोकेश एम इस रेस्तरां का उदघाटन करेंगे।

इस रेस्तरां का संचालन सिटी सुपर मार्ट कंपनी करेगी। इसके लिए कंपनी को हर माह एनएमआरसी को किराया देना होगा। सिटी सुपर मार्ट को रेस्तरां का संचालन करने के लिए कुल 100 वर्गमीटर का मेट्रो कोच दिया गया है। जबबि बाहर 200 वर्गमीटर जगह दी गई है। कंपनी को यहां पर लैंडस्कैप भी विकसित करना होगा। इस रेस्तरां में 50 लोग एक साथ बैठकर खाने का लुत्फउठा सकेंगे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

एमिटी विवि व हिल्टी इंडिया में हुआ करार

प्लेसमेंट, इंटर्नशिप आदि के क्षेत्र में दोनों करेंगे परस्पर सहयोग

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विश्वविद्यालय के छात्रों को प्लेसमेंट, इंटर्नशिप, उद्योग व्याख्यान और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन के लिए हिल्टी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और एमिटी विश्वविद्यालय के मध्य समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। इस समझौते का उददेश्य सहयोग के माध्यम से सहजीवी लाभ के लिए एमिटी विश्वविद्यालय और हिल्टी में इंजीनियरिंग, वास्तुकला, निर्मित पर्यावरण और प्रबंधन संस्थानो के संबंधों को मजबूत करना है। इस समझौते पत्र पर एमिटी विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलसचिव प्रो आर के कपूर और हिल्टी के उपाध्यक्ष (इंजीनियरिंग) पुलकित कुकरेजा ने हस्ताक्षर किये और इस अवसर पर एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डा मनोज पांडेय और एमिटी विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के डीन डा संजीव बंसल, हिल्टी के कोड्स एवं अप्रूवल प्रमुख

शौनक मित्रा भी उपस्थित थे।

हिल्टी के उपाध्यक्ष (इंजीनियरिंग) पुलकित कुकरेजा ने कहा कि हिल्टी के कोड्स एवं अप्रूवल प्रमुख शौनक मित्रा ने कहा की हिल्टी का उददेश्य सुरक्षा और स्थायित्व के साथ उत्पादन को विकसित करना है और इसे बढ़ाने के लिए निरंतर शोध एवं विकास में निवेश भी करती है। उद्योग और अकादमिक सहयोग की यह पहल एक बेहतरीन एवं कुशल मानव संसाधनों को विकसित करने में सहायक होगी।

एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डा मनोज पांडेय ने कहा कि इस एमओयू का परिणाम उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप पाठयक्रम को उन्नत करने, उद्योग व्याख्यान, इंटर्नशिप और प्लेसमेंट अवसरों के माध्यम से हिल्टी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन को प्राप्त करना है। पाठयक्रम में सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों के ''निर्माण में फास्टेनिंग सिस्टम'' को एक भाग रूप शामिल किया जायेगा। हिल्टी के विशेषज्ञों द्वारा समय समय पर छात्रों के लिए कार्यशाला एंव (शेष पृष्ठ-3 पर)

मौलिक अधिकार

यदि लोकतंत्र को वाकई जिंदा और प्रासंगिक रखना है, तो भरपूर मतदान कीजिए। चुनाव ही लोकतंत्र की जीवन-रेखा हैं। मताधिकार हमारा संवैधानिक, मौलिक अधिकार है, क्योंकि हम एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र हैं। मतदान छुट्टी या सैर-सपाटे का दिन नहीं है, क्योंकि हम पर देश की संसद और सरकार चुनने का गुरुत्तर दायित्व है। इस दायित्व की लगातार अनदेखी की जा रही है। आम चुनाव, 2024 के दूसरे चरण में भी मतदान अपेक्षाकृत घटा है। अर्थात चुनाव के प्रति हम उदासीन या लापरवाह दिखाई दे रहे हैं। पहले दोनों चरणों में 190 लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुका है। यानी करीब 35 फीसदी चुनाव सम्पन्न हो चुका है, लेकिन दूसरे चरण की 88 लोकसभा सीटों पर करीब 16 करोड़ पात्र मतदाता थे। उनमें से करीब 4.5 करोड़ मतदाताओं ने वोट नहीं डाले। आखिर क्यों? क्या इसे चुनाव-बहिष्कार माना जाए? दूसरे चरण में मतदान शनिवार शाम 7 बजे तक 66.7 फीसदी गिना गया। यह चुनाव आयोग का लगभग अंतिम आंकड़ा है। 2019 के चुनाव की तुलना में यह 3 फीसदी कम रहा। मध्यप्रदेश में 9 फीसदी, उप्र में 6.9 फीसदी, बिहार में 5 फीसदी, बंगाल में 4 फीसदी और राजस्थान में 3.39 फीसदी मतदान कम हुआ है। दक्षिण, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में भी मतदान घटा है। कुछ महत्वपूर्ण सीटों में से राहुल गांधी की वायनाड पर 6 फीसदी से ज्यादा और प्रख्यात अभिनेत्री हेमामालिनी की मथुरा सीट पर करीब 11 फीसदी मतदान घटा है। टीवी धारावाहिक 'रामायण' में प्रभु राम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल के मेरठ में करीब 6 फीसदी, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर और पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर के तिरुवनंतपुरम में करीब 10 फीसदी मतदान कम हुआ है। दरअसल 2019 के दूसरे चरण में जिन सीटों पर भाजपा जीती थी, उन पर 3 फीसदी तक मतदान कम हुआ है। जो सीटें कांग्रेस ने जीती थीं, उन पर 5-10 फीसदी मतदान घटा है। हिंदी पट्टी के प्रमुख राज्यों में मतदान औसतन 7 फीसदी तक घटा है। ये राज्य ही भाजपा के दुर्गनुमा चुनावी गढ़ हैं। क्या यह घटा हुआ मतदान भाजपा के खिलाफ एक 'खामोश चुनावी लहर' है? सवाल यह भी है कि फिर यह लहर किस राजनीतिक दल के पक्ष में है? कांग्रेस ने तो 300 सीटों पर भी उम्मीदवार नहीं उतारे हैं और गठबंधन के तौर पर 'इंडिया' छिन्न-भिन्न स्थिति में है। तो फिर जनादेश कैसा होगा और केंद्र सरकार का स्वरूप भी कैसा होगा? चुनाव का जो रुझान दिखाई दे रहा है, उसमें प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के प्रति गंभीर नाराजगी का भाव महसूस नहीं होता। यदि सरकार बदलने के लिए मतदान होना था, तो लबालब भीड़ पोलिंग स्टेशनों के अंदर-बाहर दिखाई देती और मतदान भी 70 फीसदी से ज्यादा होता। कांग्रेस के पास काडर, बूथ कार्यकर्ता और मतदाता को पोलिंग स्टेशन तक पहुंचाने वाले संगठन की कमी देखी जाती रही है, लेकिन मतदाताओं का ऐसा सैलाब भी गायब है, जो 400 पार के जनादेश को सुनिश्चित कर दे। हालांकि प्रधानमंत्री के मंगलसूत्र और मुसलमान वाले अभियान के बाद ध्रुवीकरण महसूस किया गया है। जुमे की नमाज के बाद मुसलमान भी पोलिंग स्टेशनों की ओर गए हैं। क्या वह सारा मतदान भाजपा-विरोधी हुआ है? गंभीर सवाल यह है कि मतदान एक स्तर के बाद उठ क्यों नहीं रहा है? पूरे देश में गर्मी अभी इतनी भीषण नहीं है कि सुबह और शाम में मतदान न किया जा सके। क्या युवाओं और नए मतदाताओं ने मतदान कम किया? उनकी दिलचस्पी कम दिखाई दी है। ऐसे कई लाख मतदाताओं ने वोट नहीं दिए। सवाल यह भी है कि किस राजनीतिक पक्ष के मतदाता अपने घरों से बाहर नहीं निकले? चूंकि मतदान शुक्रवार हो हुए हैं, लिहाजा यह भी एक कारण हो सकता है कि लंबे सप्ताहांत के मद्देनजर लोग छुट्टी पर निकल गए हों! लोकतंत्र की अनदेखी यहां भी हुई है। बहरहाल तीसरे चरण के मतदान के मद्देनजर भाजपा ने अपनी रणनीति बदलने का फैसला लिया है। करीब 500 नेता और पदासीन कार्यकर्ता मतदान वाले क्षेत्रों में तैनात किए जाएंगे। वे सुबह और शाम में मुख्य चुनाव केंद्र को रपट देंगे कि मतदाता की स्थिति क्या है? तीसरे चरण में अपने कोटे के मतदाताओं के वोट डलवाने को भाजपा ने कमर कस ली है। क्या कम मतदान का सबब यही है? हम इस सवाल से सहमत नहीं हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि ममता दाद है, ईर्षा (डाह) खुजली है, हर्ष-विषाद गले के रोगों की अधिकता है (गलगंड, कण्ठमाला या घेघा आदि रोग हैं), पराए सुख को देखकर जो जलन होती है, वही क्षयी है। दुष्टता और मन की कुटिलता ही कोढ़ है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

अहंकार अति दुखद डमरुआ। दंभ कपट मद मान नेहरुआ॥
तृस्ना उदरबृद्धि अति भारी। त्रिबिधि ईषना तरुन तिजारी॥
अहंकार अत्यंत दुःख देने वाला डमरू (गाँठ का) रोग है। दम्भ, कपट, मद और मान नहरुआ (नसों का) रोग है। तृष्णा बड़ा भारी उदर वृद्धि (जलोदर) रोग है। तीन प्रकार (पुत्र, धन और मान) की प्रबल इच्छाएँ प्रबल तिजारी हैं॥
जुग बिधि ज्वर मत्सर अबिबेका। कहँ लगि कहौं कुरोग अनेका॥
मत्सर और अविवेक दो प्रकार के ज्वर हैं। इस प्रकार अनेकों बुरे रोग हैं, जिन्हें कहाँ तक कहूँ॥
दो0-एक ब्याधि बस नर मरहिं ए असाधि बहु ब्याधि।
पीड़हिं संतत जीव कहुँ सो किमि लहै समाधि॥
एक ही रोग के वश होकर मनुष्य मर जाते हैं, फिर ये तो बहुत से असाध्य रोग हैं। ये जीव को निरंतर कष्ट देते रहते हैं, ऐसी दशा में वह समाधि (शांति) को कैसे प्राप्त करे?॥
नेम धर्म आचार तप ग्यान जग्य जप दान।
भेषज पुनि कोटिन्ह नहिं रोग जाहिं हरिजान॥
नियम, धर्म, आचार (उत्तम आचरण), तप, ज्ञान, यज्ञ, जप, दान तथा और भी करोड़ों औषधियाँ हैं, परंतु हे गरुड़जी! उनसे ये रोग नहीं जाते॥
एहि बिधि सकल जीव जग रोगी। सोक हरष भय प्रीति बियोगी॥
मानस रोग कछुक मैं गाए। हहिं सब कें लखि बिरलेन्ह पाए॥
इस प्रकार जगत में समस्त जीव रोगी हैं, जो शोक, हर्ष, भय, प्रीति और वियोग के दुःख से और भी दुःखी हो रहे हैं। मैंने ये थोड़े से मानस रोग कहे हैं। ये हैं तो सबको, परंतु इन्हें जान पाए हैं कोई विरले ही॥
जाने ते छीजहिं कछु पापी। नास न पावहिं जन परितापी॥
बिषय कुपथ्य पाइ अंकुरे। मुनिहु हृदयँ का नर बापुरे॥
प्राणियों को जलाने वाले ये पापी (रोग) जान लिए जाने से कुछ क्षीण अवश्य हो जाते हैं, परंतु नाश को नहीं प्राप्त होते। विषय रूप कुपथ्य पाकर ये मुनियों के हृदय में भी अंकुरित हो उठते हैं, तब बेचारे साधारण मनुष्य तो क्या चीज हैं॥

(क्रमशः..)

मोबाइल की आभासी दुनिया में खोता बालमन

सोशल मीडिया पर आये दिन इस तरह की तस्वीर देखने को मिल जाएगी जिसमें ड्राइंग रुम में तो परिवार के लगभग सभी सदस्य बैठे हैं पर उनके बीच किसी तरह के संवाद की बात करना ही बेमानी होगा। सभी अपने-अपने स्थान पर अपने मोबाइल फोन में खोये मिलेंगे। खोये होने का मतलब साफ है कि कोई गेमिंग कर रहा होगा तो कोई इंस्टाग्राम, फेसबुक, वाट्सएप या इसी तरह के किसी दूसरे एप पर व्यस्त होगा। सवाल साफ है कि जो हम देखेंगे उसमें हमें पसंद भी वोही आएगा जो अधिक ग्लेमरस होगा और यही कारण है कि गेमिंग, चेटिंग या फिर रील्स बनाने देखने में बच्चों से बड़े तक व्यस्त मिलेंगे। इसके साथ ही गेमिंग जहां बच्चों बड़ों को लालच दिखाकर एक तरह से जुआरी बना रही हैं वहीं कुछ गेम तो इस कदर हानिकारक रहे हैं कि उन्हें फॉलों करते करते बच्चों को अपने जीवन से हाथ धोना पड़ा है।

सोशल मीडिया, ओटीटी व गेमिंग के साथ ही गूगल बाबा सहित खोजी चैनलों, डिजिटल प्लेटफार्म खोजी सामग्री तो कोई समाचार देखते-देखते ही कितने तरह के विज्ञापन सामने आ जाते हैं उनमें कई बार तो लगभग प्रोन जैसी सामग्री होने के बावजूद मजे से परोसी जाती रहती है और उसे बेन करने या सेंसर करने का कोई सिस्टम नहीं होने से उसका दुष्प्रभाव साफ देखा जाता है। भले ही सरकार द्वारा इस तरह के चैनलों, प्लेटफार्म, एप आदि पर रोक लगाने के लाख दावें किये जाते हो पर साफतौर से इस तरह की सामग्री आम है। इसके साथ ही इन प्लेटफार्मों पर परोसी जाने वाली सामग्री बच्चों तक नहीं पहुंचे या बालमन पर को प्रदूषित नही करें, इसकी कोई व्यवस्था नहीं होती है। जब इन प्लेटफार्मों पर हिंसा, यौन सामग्री, गेमिंग, संवेदनहीनता, तनाव, आत्महत्या या बदले की भावना प्रेरित करने वाली सामग्री परोसी जाएगी तो उसका प्रभाव से नकारा नहीं जा सकता। दरअसल यह विश्वव्यापी समस्या हो गई है और इसका समाधान समय रहते नहीं खोजा गया तो इसके जो दुष्परिणाम आएंगे व आने लगे हैं वे समाज के लिए भयावह होंगे, इस खतरे को समझना होगा।

तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि एक दूसरे से तत्काल संवाद कायम करने का माध्यम स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट पर परोसी जाने वाली सामग्री का सर्वाधिक दुष्प्रभाव बालक मन पर पड़ रहा है। तकनीक का इस तरह का दुष्प्रभाव संभवतः इतिहास में भी पहले कभी नहीं रहा है। दरअसल आज हम हर समस्या का समाधान स्मार्टफोन और इंटरनेट को मानने लगे हैं।

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चें, गेमिंग, सोशियल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्म के आदी होते जा रहे हैं। इसका परिणाम यह होता जा रहा है कि बालक मन संवेदनहीन होता जा रहा है।

बच्चा रो रहा है या किसी बात के लिए जिद कर रहा है या चिड़चिड़ा हो रहा है तो माताएं या परिवार के कोई भी सदस्य बच्चें को चुप कराने या मनबहलाव और खास यह कि बच्चे को व्यस्त रखने के लिए मोबाइल संभला देते हैं। जबकि मोबाइल के दुष्प्रभाव हमारे सामने आने लगे हैं। अमेरिका में पिछले दिनों हुए एक सर्वे में सामने आया कि मोबाइल फोन, टेबलेट, वीडियो गेम या अन्य इस तरह के साधन के उपयोग से बच्चे गुस्सैल होते जा रहे हैं। बच्चों द्वारा स्कूल में गोलीबारी सहित एक दूसरे से मारामारी-हाथापाई व इस तरह की घटनाएं आम होती जा रही है। मारधाड़, हमेशा गुस्से में रहने, तनाव में रहने और जिद्दी होना आज आम होता जा रहा है।

दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में हुए एक अध्ययन में भी साफ हो गया है कि शहरी बच्चें, बदले की भावना आदि आम है। ऐसे में मनोविज्ञानियों के सामने नई चुनौती आ जाती है। यह असर कमोबेस लड़कों और लडकियों दोनों में ही समान रुप से देखा जा रहा है। यह कोई हमारे देश की समस्या हो, ऐसा भी नहीं हैं अपितु दुनिया के लगभग सभी देशों में यही हो रहा है। अमेरिका में किये गये एक अध्ययन में भी यही उभर कर आया है। कोई दो राय नहीं कि विकास समाज की आवश्यकता है। स्मार्टफोन व इंटरनेट की दुनिया का अपना महत्व है। पर इनके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। प्लेटफार्मों पर चाइल्ड लोक की बात भी की जाती है पर चाइल्ड लोक कितना कारगर है यह हम सब अच्छी तरह से जान और समझ सकते हैं। मजे की बात तो यह है कि मोबाइल फोन, टेब, कम्प्यूटर, सोशल मीडिया प्लेटफार्म आदि के फीचर्स व उपयोग का तरीका बड़ों से ज्यादा बच्चों को आता है। यहां तक कि प्ले ग्रुप के बच्चें को भी यह जानकारियां होने लगी है। ऐसे में इन पर परोसी जाने वाली सामग्री को सेंसर करने या इससे बच्चों और बालपन को दूर रखने की बात बेमानी होती जा रही है। समाज विज्ञानियों, मनोविश्लेषकों, चिकित्सकों यहां तक शिक्षाविदों के सामने यह गंभीर चिंतनीय चुनौती सामने आ रही है।

आज बच्चे के सामने दो विकल्प एक मोबाइल फोन या सोशल मीडिया पर सफरिंग और दूसरा परिवार के साथ गप्पे लड़ाना या आउटडोर गेम्स जैसा विकल्प होगा तो बच्चे की पहली पसंद मोबाइल फोन व सोशल मीडिया पर सफरिंग ही होती जा रही है। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है और दूसरा यह कि गरीब हो या अमीर सभी घर परिवारों के हालात लगभग यही है। दरअसल आज समय के बदलाव को इस तरह से समझा जा सकता है कि तीन से चार दशक पहले मोहल्ले में एक फोन होता था, ट्रंक काल में तो घंटों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी वहीं फिर एसटीडी का युग आया और एसटीड़ी बूथों का अंबार लग गया उसके बाद पेजर युग को अलग कर भी दिया जाये तो मोबाइल युग ने घर-घर ही नहीं अपितु परिवार के लगभग सभी सदस्यों तक पहुंच बना ली है। ऐसे में इसके लाभ के साथ ही साइड इफेक्ट जो हमारे सामने आ रहे हैं उनका समाधान खोजना भी सबका दायित्व हो जाता है। बच्चें को चुप कराने से लेकर उसे व्यस्त रखने तक के लिए मोबाइल की घुट्टी पिलाई जाने लगी है और लोरी की जगह मोबाइल ने ले ली है तो फिर हमें बालमन पर इसके पड़ रहे दुष्प्रभाव से दो चार होने के लिए तैयार रहना होगा। देखा जाए तो पूरा सामाजिक ताना बाना ही बदल गया है। एकल परिवार, आने वाले समय में चाचा-चाची, मौसा मौसी या इसी तरह के रिश्तों की तलाश आदि सामने आने लगी है। शादी विवाह आदि पारिवारिक फंक्शन तक अब औपचारिक होते जा रहे हैं। बारात के समय पहुंचना, खाना खाना, लिफाफा थमाना तक रिश्ते सीमित हो गए हैं। ऐसे में समाज के सामने गंभीर समस्याएं आती जा रही है। ऐसे में मोबाइल या सोशल मीडिया प्लेटफार्म आने वाली पीढ़ी को कहां ले जाएंगे यह भयावह तस्वीर कल्पना में नहीं अपितु हमारे सामने आती जा रही है। समय रहते विकास और विनाश के बीच कोई रास्ता तलाशना ही होगा।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

वैश्विक ऊंचाई पर खिलौना कारोबार

हाल ही में केंद्रीय व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक भारत के खिलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 2014-15 से वित्त वर्ष 2022-23 के बीच तेजी से प्रगति की है और निर्यात में 239 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई तथा आयात में 52 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। निस्संदेह इस समय पूरी दुनिया में यह रेखांकित हो रहा है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान से भारत का खिलौना उद्योग वैश्विक ऊंचाई पर है। स्थिति यह है कि 'मेक इन इंडिया' अभियान ने खिलौना विनिर्माण क्षेत्र में चीन को झटका देते हुए खिलौना निर्माण को भारत के लिए फायदे का सौदा साबित कर दिया है। गौरतलब है कि चीन से खिलौनों की खरीददारी करने वाले कई खरीददार अब तेजी से भारत की ओर रुख कर रहे हैं। यह कोई छोटी बात नहीं हैं कि दुनिया में कोई एक दशक पहले खिलौनों की भारत से मुश्किल से ही किसी तरह की खरीददारी होती थी। लेकिन मेक इन इंडिया के कारण कई बड़ी-बड़ी खिलौना कंपनियों ने भारत में खास तौर से दिल्ली में अपना आधार तैयार किया है, जो आज अंतरराष्ट्रीय खिलौना कंपनियों को भी आपूर्ति करती है। इस समय हैस्ब्रो, मैटल, स्पिन मास्टर और अर्ली लर्निंग सेंटर जैसे खिलौनों के वैश्विक ब्रांड आपूर्ति के लिए भारत पर अधिक निर्भर हैं। साथ ही खिलौनों के लिए विश्व प्रसिद्ध इटली की दिग्गज कंपनी ड्रीम प्लास्ट, माइक्रोप्लास्ट और इंकास आदि खिलौनों के लिए अपना ध्यान धीरे-धीरे चीन से भारत पर केंद्रित कर रही हैं।

अब वह समय बीत गया है कि जब पांच-छह वर्ष पहले तक भारत खिलौनों के लिए बहुत कुछ दूसरे देशों पर निर्भर था और भारत में 80 फीसदी से अधिक खिलौने चीन से आयात किए जाते थे। साथ ही लगातार विभिन्न सर्वेक्षणों में कहा जा रहा था कि चीन से आयातित दो-तिहाई खिलौने असुरक्षित थे। चीनी खिलौने में सीसा, कैडमियम और बेरियम के असुरक्षित तत्व पाए गए थे। अब भारत से खिलौनों के तेजी से बढ़ते हुए निर्यात और घटते हुए आयात का नया लाभप्रद अध्याय भी रेखांकित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इस समय देश और दुनिया में भारतीय खिलौना उद्योग की बहुत कम समय में हासिल ऐसी सफलता रेखांकित हो रही है, जिसकी कभी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी। इस समय चारों ओर भारत के सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खिलौना उद्योग का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। साथ ही भारत का खिलौना निर्यात पांच-छह वर्षों में तेजी से बढ़कर 2600 करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। भारत से अमरीका, ब्रिटेन, यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया, यूएई, दक्षिण अफ्रीका सहित कई देशों को खिलौने निर्यात किए जा रहे हैं। इस समय भारतीय खिलौना उद्योग का कारोबार करीब 1.5 अरब डॉलर का है जो वैश्विक बाजार हिस्सेदारी का 0.5 फीसदी मात्र है, लेकिन जिस तरह भारत में खिलौना उद्योग को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, उससे खिलौना उद्योग छलांगे लगाकर बढ़ते हुए इसी वर्ष 2024 में 3 अरब डॉलर तक की ऊंचाई पर पहुंचने की संभावनाएं रखता है। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि देश और दुनिया में भारतीय खिलौना बाजार को ऊंचाई मिलने के कई कारण हैं।

इसमें कोई मत नहीं है कि 'मन की बात' के अपने संबोधन

में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार-बार देश के लोगों को स्वदेशी भारतीय खिलौनों को खरीदने, घरेलू डिजाइनिंग को सुदृढ़ बनाने, भारत को खिलौनों के लिए एक वैश्विक विनिर्माण हब बनाने की अपील की। खिलौनों की बिक्री के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की मंजूरी जरूरी होना, संरक्षणवाद, चीन-प्लस-वन रणनीति और मूल सीमा शुल्क बढ़ाकर 70 प्रतिशत किए जाने से भारत के खिलौना उद्योग में तेजी आई है। बीआईएस मानक चिन्ह वाले खिलौनों के निर्माण के लिए बीआईएस ने घरेलू निर्माताओं को 1200 से अधिक लाइसेंस और विदेशी निर्माताओं को 30 से अधिक लाइसेंस प्रदान किए हैं। सरकार के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग के लिए अधिक अनुकूल विनिर्माण परितंत्र बनाने में मदद मिली है। 2014 से 2020 तक 6 वर्षों की अवधि में सरकार के समर्पित प्रयासों से विनिर्माण इकाइयों की संख्या दोगुनी हो गई है, आयातित वस्तुओं पर निर्भरता 33 प्रतिशत से घटकर 12 प्रतिशत हो गई है। वर्तमान में एमएसएमई मंत्रालय 19 खिलौना उत्पादन केंद्रों की मदद कर रहा है, और वस्त्र मंत्रालय 13 खिलौना उत्पादन केंद्रों को खिलौनों का डिजाइनिंग तैयार करने और जरूरी साधन मुहैया कराने में मदद कर रहा है। स्वदेशी खिलौनों को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए कई प्रचार पहल भी की गई हैं, जिनमें दि इंडियन टॉय फेयर 2021, टॉयकैथॉन आदि शामिल हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने घटिया स्तर के खिलौनों के आयात पर अंकुश लगाने के लिए प्रत्येक आयात खेप का नमूना परीक्षण अनिवार्य कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014-15 के बाद से लगातार वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट तक में सरकार ने खिलौना उद्योग के विकास के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहन और समर्थन देने की रणनीतिक पहल की है। सरकार ने खिलौना उद्योग को देश के 24 प्रमुख सेक्टर में स्थान दिया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारतीय खिलौनों को वैश्विक खिलौना बाजार में बड़ी भूमिका निभाने हेतु खिलौना उद्यमियों को प्रेरित किया गया है। निश्चित रूप से मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत सरकार की नीतिगत पहलों के साथ-साथ घरेलू निर्माताओं के प्रयासों से भारतीय खिलौना उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यद्यपि देश का खिलौना उद्योग तेजी से आगे बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी देश के खिलौना सेक्टर को चमकीली ऊंचाई देने के लिए खिलौना क्षेत्र के तहत एक लम्बे समय से चली आ रही कई बाधाओं को हटाया जाना जरूरी है। भारतीय खिलौना उद्योग में विकास को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक कार्ययोजना की जरूरत है। खिलौना उद्योग के विकास से संबंधित विभिन्न एजेंसियों के बीच उपयुक्त तालमेल बनाया जाना जरूरी है। देश में चीन की तरह खिलौने के विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) को आकार देने की जरूरत है। अभी खिलौनों पर जीएसटी की दर में कटौती की जानी चाहिए, जिससे खिलौनों की कीमत में और कमी आएगी। अधिकांश भारतीय खिलौने ई-कॉमर्स वेबसाइटों पर उपलब्ध कराए जाने चाहिएं, ताकि घरेलू खिलौनों की बिक्री को और बढ़ाया जा सके।

यह भी जरूरी है कि सरकार के द्वारा प्रस्तावित की गई पारंपरिक और यांत्रिक खिलौनों दोनों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शीघ्र शुरू की जाए। देश में सुगठित खिलौना प्रशिक्षण और डिजाइन संस्थान की स्थापना को मूर्तरूप देना होगा। इसके अलावा खिलौना उद्योग के लिए बैंकों से ऋण तथा वित्तीय सहायता संबंधी बाधाओं को दूर करना होगा। हम उम्मीद करें कि सरकार देश को खिलौनों का वैश्विक हब बनाने और खिलौनों के वैश्विक बाजार में चीन को और अधिक टक्कर देने की रणनीति की डगर पर आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि घरेलू बाजार के सस्ते और गुणवत्तापूर्ण खिलौनों से देश के बच्चों और खिलौनों पर आधारित खेलों से मनोरंजन करने वाले करोड़ों लोगों के चेहरों पर मुस्कुराहट बढ़ेगी। खिलौनों के अधिक निर्यात से अधिक विदेशी मुद्रा की कमाई की जा सकेगी। साथ ही खिलौना उद्योग में रोजगार के मौके देश के कोने-कोने में और तेजी से बढ़ेंगे।

-डा. जयंती लाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

राशिफल

वैशाख कृष्ण पक्ष : षष्ठी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भावुक बने रहेंगे। मन से परेशान रहेंगे। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम,संतान मध्यम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
गृह-कलह के शिकार होंगे। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान मध्यम।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, हो, हा)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शारीरिक स्वास्थ्य पहले से बेहतर है। धन का आगमन बढ़ेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा, लेकिन तबियत अभी भी बहुत अच्छी नहीं दिख रही है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
मानसिक परेशानी बने रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। नेत्र पीड़ा भी संभव है। प्रेम, संतान अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
आर्थिक स्थिति सुधरेगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। नए स्तोत्र से भी पैसे आएंगे। यात्रा का भी योग बनेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट-कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा।

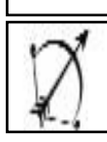

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य अच्छा।

मकर- (भो, जा, जी, जू, जे, जो, खा, खी, खू, खे, गा, गी)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। बचकर पार करें। प्रेम, संतान अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य पहले से बेहतर। जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा और साथ मिलेगा। प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात थोड़ी सी विवादित हो सकती है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा लेकिन डिस्टर्बेंस बना रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा। स्वास्थ्य मध्यम। व्यापार ठीक है।

बिजली आपूर्ति बंद होने पर नहीं मिला पावर बैकअप, हंगामा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की आम्रपाली लेजर पार्क सोसाइटी के निवासियों ने रविवार रात जनरेटर से पावर बैकअप नहीं देने पर जमकर हंगामा किया। निवासियों ने एओए पर रखरखाव में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। निवासियों के मुताबिक करीब छह माह से इसी तरह की परेशानी उठानी पड़ रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने निवासियों को शांत कराया। निवासियों ने एओए के खिलाफ पुलिस को लिखित शिकायत दी है।

निवासियों के मुताबिक सोसाइटी में 14-14 मंजिल के 19 टावर हैं। जिसमें करीब एक हजार परिवार रहते है। आरोप है कि आए दिन रात में बिजली कटौती हो रही है। बिजली कटने के बाद पावर बैकअप नहीं दिया जा रहा है। रविवार रात भी करीब 11.30 बजे ग्रिड की आपूर्ति बंद हो गई। जिसके बाद जनरेटर से पावर बैकअप शुरू नहीं किया। कुछ देर इंतजार करने के बाद सैकड़ों निवासी मेंटेनेंस कार्यालय पहुंचे। वहां जनरेटर शुरू करने की मांग की तो पता चला कि डीजल नहीं हैं। आरोप है कि कभी डीजल तो कभी ऑपरेटर नहीं होने का कारण बताया जाता है। इस बात से गुस्साएं निवासियों ने जमकर हंगामा कर एओए के खिलाफ नारेबाजी की। सूचना पर बिसरख कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और निवासियों को शांत कराया। निवासियों ने पुलिस को शिकायत देकर आरोप लगाया है कि सोसाइटी में सुरक्षा व्यवस्था, बिजली, पानी आदि की समस्याएं हैं।

एओए अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

ग्रेनो वेस्ट की आम्रपाली गोल्फ होम्स व किंग्सवुड्स सोसाइटी की अस्थायी एओए के अध्यक्ष ने कोर्ट रिसीवर कार्यालय में अपना इस्तीफा भेज दिया है। एओए अध्यक्ष ने सोसाइटी के निवासियों को व्हाट्सएप ग्रुप पर इसकी जानकारी दी है। निवासी कोर्ट रिसीवर कार्यालय से इस्तीफा स्वीकार होने का इंतजार कर रहे हैं। मूलभूत सुविधाओं को लेकर सोसाइटी में एओए और सोसाइटी निवासियों के बीच विवाद चल रहा है। निवासी अस्थायी एओए पर काम नहीं करने का आरोप लगा रहे हैं। जीबीएम की बैठक में भी एओए को हटाने की मांग करने की तैयारी थी, लेकिन उससे पहले ही सोसाइटी के गेट पर खरीदार व निवासी और सुरक्षाकर्मियों के बीच कहासुनी हो गई। सुरक्षाकर्मियों की हाथपाई में तीन निवासियों को चोटें भी आई। उसके बाद बैठक में किसी ने एओए अध्यक्ष के ऊपर स्याही फेंक दी। जिस पर एओए अध्यक्ष ने पुलिस में शिकायत की। हालांकि बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया, लेकिन निवासी एओए अध्यक्ष से इस्तीफा की मांग पर अड़े रहे। निवासियों ने बताया कि अध्यक्ष ने सोमवार को इस्तीफा देने की जानकारी दी है।

लोकसभा चुनाव में इण्डिया गठबंधन की होगी जीत : खान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव चौधरी हसरुद्दीन खान ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश में हो रहे लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का सुपड़ा पूरी तरह से साफ हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि दो चरण के चुनाव से स्पष्ट हो गया है कि इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों की ऐतिहासिक जीत होने जा रही है और यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेता बौखला गए हैं और आरोप प्रत्यारोप गठबंधन के प्रत्याशियों एवं नेताओं पर लगाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गौतमबुद्ध नगर सीट पर भी इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी डॉक्टर महेंद्र नागर को अत्याधिक वोट मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि अबकी बार भाजपा जनता को गुमराह करने में पूरी तरह से नकाब रही है।

चुनाव की चौपाल से भाजपा के कई दिग्गज नेता गायब

भदोही (चेतना मंच)। कालीन के लिए मशहूर भदोही जनपद भाजपा का ऐसा किला है जिसे भेदने के लिए टीएमसी एवं इंडिया गठबंधन ने पूरी ताकत झोंक दी है। इस लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की ताकत कुछ समय से काफी बढ़ी हुई है लेकिन लोकसभा चुनाव में इस सीट पर भाजपा को टीएमसी प्रत्याशी चुनौती देते नजर आ रहे हैं यहां पर राष्ट्रवाद जहां पूरी तरह से गायब हो चुका है।

वहीं जातिय समीकरण इस चुनाव में हावी दिखाई पड़ रहा है। 2019 में लोकसभा सीट पर भी कमल खिला था। लेकिन 2024 के चुनाव में भाजपा की काफी मुश्किल में दिखाई दे रही है। बाहरी प्रत्याशी होने के कारण भाजपा को मतदाताओं के प्रकोप का सामना करना पड़ रहा है। वही टीएमसी प्रत्याशी अपने दादा के कामों को जनता के बीच में गिनाकर चुनाव जीतने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई में भी सब ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। भाजपा के कई की दिग्गज नेता पार्टी को अंदर खाने नुकसान पहुंचाने की जुगत में लगे। हालांकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी इस बार भी चुनाव में अपनी जीत को लेकर आश्वस्थ नजर आ रहे हैं। भाजपा के कई पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक चुनाव की चौपाल से गायब है। नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। भाजपा के रणनीतिकार अपनी रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। भाजपा के इस दुर्ग को टीएमसी कैसे भेद पाएगी। यह चुनाव परिणाम के बाद ही पता चल पायेगा।

मैकडॉनल्ड्स समेत दो प्रतिष्ठानों के खाद्य, सैंपल जांच को लैब भेजे

नोएडा (चेतना मंच)। खाद्य विभाग की टीम ने उपभोक्ताओं की शिकायत पर सेक्टर-18 स्थित मैकडोनाल्ड तथा सेक्टर-104 स्थित थियोब्रोमा बेकरी एंड केक प्रतिष्ठान पर छापा मारकर जांच के लिए सैंपल भरे।

आपको बता दें कि शिकायत करने वाले कस्टमर की तबियत आलू टिक्की, फ्रेंच फ्राइज और केक खाने के कारण खराब हो गई थी। इस मामले में नोएडा फूड डिपार्टमेंट के पोर्टल पर शिकायत दर्ज की गई। एफएसएसएआई के पोर्टल फोकस पर शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई शुरू कर दी है। गौतमबुद्ध नगर की सहायक आयुक्त (खाद्य) एफडीए अर्चना धीरन ने बताया कि हमें मैकडॉनल्ड्स के खिलाफ पोर्टल पर एक शिकायत मिली थी। जिसमें शिकायतकर्ता आलू टिक्की और फ्रेंच फ्राइज खाने के बाद बीमार पड़ गया। वहीं, केक को लेकर भी शिकायत मिली। इस पर कार्रवाई शुरू हो गई है।

नोएडा के रहने वाले युवक ने सेक्टर-18 स्थित मैकडॉनल्ड से ऑनलाइन ऑर्डर किया था। आरोप है कि ऑर्डर पर भेजा गया आलू टिक्की, बर्गर और फ्रेंच फ्राइज बासी था। उन्होंने इसकी शिकायत एफएसएसएआई के पोर्टल फोकस पर की थी। शिकायत के बाद पिछले सप्ताह विभाग की टीम रेस्टोरेंट कलेक्ट करने पहुंची। रेस्टोरेंट से पाम ऑयल के साथ-साथ पनीर और में मेयोनोज का नमूना लिया गया। इनका उपयोग बर्गर बनाने में होता है। वहीं नोएडा के सेक्टर- 104 स्थित थिओब्रोमा बेकरी एंड केक शॉप के बारे में भी पोर्टल पर शिकायत मिली थी। एक महिला ने एफएसएसएआई पोर्टल और टोल फ्री नंबर पर दर्ज कराई गई शिकायत में बताया कि दुकान का केक खाने से उनकी तबीयत खराब हो गई।

अर्चना धीरन, सहायक आयुक्त (खाद्य) एफडीए, गौतमबुद्ध नगर ने कहा कि हमें मैकडॉनल्ड्स के खिलाफ पोर्टल पर शिकायत प्राप्त हुई थी। आलू टिक्की और फ्रेंच फ्राइज़ खाने के बाद ग्राहक की तबियत खराब हुई। शिकायत के आधार पर वहां से पाम तेल, पनीर और मेयोनोज के नमूने कलेक्ट कर लिए गए। इसके साथ ही, थियोब्रोमा बेकरी के खिलाफ एक शिकायत मिली थी। बेकरी से बासी केक खाने के बाद बीमार पड़ने का मामला सामने आया था। हमने अनानास केक का नमूना लेकर लैब में टेस्ट के लिए भेज दिया है।

गन्ने की ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानो के खेतों पर अन्य किसानों को कराई जाए विजिट: गन्ना उपायुक्त

सहारनपुर। उप गन्ना आयुक्त सहारनपुर ओ पी सिंह ने सभी ज़िला गन्ना अधिकारियों,ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों और सभी चीनी मिलों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अपने क्षेत्र में जो किसान भी जैविक खेती कर रहे हैं और जैविक खेती से गन्ना उत्पादन कर रहे हैं उन किसानो के खेतों पर आस पास के ग्रामों के किसानो का भी भ्रमण कराया जाय जिससे की वे भी इसके प्रति जागरूक हो सके।

उप गन्ना आयुक्त ग्राम निंजाखेड़ी के किसान महिपाल सिंह के खेतो मे ऑर्गेनिक तरीके से की जा रही गन्ने की फसल को देखने पहुंचे। किसान महिपाल सिंह ने उन्हें बताया की वह पूरी की पूरी अपनी खेती शुद्ध जैविक तरीके से करते है और बिलकुल भी कैमिकल इस्तेमाल नही करते।

उन्होंने बताया कि उनके गन्ने से बने गुड और शक्कर की काफी मांग रहती है।

इस अवसर पर उपस्थित अन्य किसानो से वार्ता करते हुए उप गन्ना आयुक्त ने बताया की जैविक गन्ने की खेती में यदि साथ में सहफसली के रूप में कोई फसल ली जाती है तो कम लागत में अतिरिक्त आमदनी हो जाती है, साथ ही दलहनी फसलों को सहफसली खेती करने से प्राकृतिक रूप से नाइट्रोजन मिल जाती है। तीनो जनपदों के समस्त ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षकों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए अपने अपने चीनी मिलों से समन्वय स्थापित करते हुए किसानो को खेतो पर भ्रमण कराए और किसानो की आपसी वार्ता करा कर उन्हे जैविक खेती के प्रति जागरूक किया जाए।

उप गन्ना आयुक्त ने किसान महिपाल सिंह से भी अपील की वे आस पास के अन्य किसानो को भी गन्ने की ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करें।

पतंजलि की 14 दवाईयों पर लगा प्रतिबंध

देहरादून (एजेंसी)। योग गुरू से बड़े व्यापारी तथा धनपति बने स्वामी रामदेव कानून के शिकंजे में फंसते जा रहे हैं। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि द्वारा बनाए जाने वाली 14 प्रकार की दवाई बैन कर दी गई है। स्वामी रामदेव के खिलाफ इतने बड़े स्तर पर पहली बार कार्यवाही हुई है। इतना ही नहीं स्वामी रामदेव के ऊपर अभी सुप्रीम कोर्ट की अवमानना की तलवार भी लटक रही है। कानून के जानकारों का मत है कि स्वामी रामदेव कानून के चंगुल में फंस गए हैं।

उत्तराखंड सरकार के औषधि नियंत्रण विभाग ने स्वामी रामदेव की 14 दवाईयों के लाइसेंस रदद कर दिए हैं। स्वामी रामदेव की कंपनी पतंजलि इन सभी दवाईयों को दिव्य फार्मेसी के नाम से बना रही थी। दवाई के लाइसेंस निरस्त होने का साफ मतलब है कि अब स्वामी रामदेव की कंपनी 14 दवाई नहीं बेच सकती है। उत्तराखंड सरकार ने स्वामी रामदेव की जिन दवाईयों के लाईसेंस सस्पेंड किए हैं उन दवाईयों के नाम स्वासारी गोल्ड, स्वसारी वटी, ब्रोंकोम, स्वसारी प्रवाही, स्वसारी अवलेह, मुक्ता वटी एक्स्ट्रा पावर, लिपिडोम, बीपी ग्रिट, मधुग्रिट, मधुनाशिनी वटी एक्स्ट्रा पावर, लिवमृत एडवांस, लिवोग्रिट, आईग्रिट गोल्ड और पतंजलि दृष्टि आई ड्रॉप है।

उत्तराखंड सरकार की औषधि लाइसेंसिंग अथॉरिटी ने एक आदेश जारी किया है। इसमें कहा, इन उत्पादों के विभिन्न माध्यमों से लगातार भ्रामक विज्ञापनों की अनेक शिकायतें संज्ञान में आई हैं। उन शिकायतों के संबंध में केंद्रीय आयुष मंत्रालय द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों के क्रम में अनुज्ञापी (दिव्या फार्मेसी) को प्रेषित पत्रों/नोटिसों के उपरांत भी उत्पादन किया गया। संबंधित नियमों, शर्तों, ड्रग्स एंव मैजिक रेमेडीज एक्ट 1954 और ड्रग्स एवं कॉस्मेटिक एक्ट 1945 का बार-बार उल्लंघन किया जा रहा है।

ड्रग्स एवं कॉस्मेटिक एक्ट 1945 की धारा 159 (1) के प्रावधान अनुसार संबंधित औषधियों की निर्माणाज्ञा (कंट्रक्शन ऑर्डर) को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। संबंधित फर्म को निर्देशित किया जाता है कि इन उत्पादों का निर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) तत्काल प्रभाव से बंद कर दें और योगों की मूल फॉर्मूलेशन सीट कार्यालय (औषधि विभाग) में जमा करना सुनिश्चित करें।

पृष्ठ एक के शेष....

बेलगाम कार की...

चालक ने तेज व लापरवाही से कार चलाते हुए आई एनर्जाइजर कंपनी के पास रिक्शा चालक को टक्कर मार दी। जिससे रिक्शा चालक तथा रिक्शे में सवार दो महिलाएं घायल हो गईं। बेलगाम कार टक्कर मारने के बाद एक मकान की चारदीवारी से जा टकराई। जिससे चारदीवारी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में गौरव शर्मा व आदित्य सवार थे। कार आदित्य चला रहा था। टक्कर से महिलाओं व रिक्शा चालक को हल्की चोट आई वहीं कार सवार दोनों युवक भी घायल हो गए। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है।

एमिटी विवि व...

जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। छात्रों को प्रयोगिक प्रशिक्षण, स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के थिसिस कार्य का संयुक्त निरिक्षण सहित छात्रों के इंटर्नशिप सहित हिल्टी के नितियों के अनुसार रोजगार के अवसर उपलब्ध होगें। इस कार्यक्रम का संचालन एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के कोरपोरेट रिसोर्स सेंटर की निदेशक डा माधुरी कुमारी ने किया।

मेट्रो कोच रेस्तरां...

इस रेस्तरां की खासियत यह है कि यहां बार की भी अनुमति प्राप्त है। इसलिए किसी बर्थ-डे पार्टी या किसी अन्य समारोह की यहां छोटी-मोटी पार्टी भी की जा सकती है। कंपनी ने विधिवत बार का लाइसेंस भी लिया है।

एनएमआरसी के अधिकारियों का कहना है कि रेस्तरां के लिए सिटी सुपरमार्ट के साथ 9 वर्ष का अनुबंध हुआ है। हर दो वर्ष में कंपनी को लाइसेंस का नवीनीकरण करना होगा। इस मेट्रो कोच रेस्तरां में मेट्रो की तरह समय-समय पर उदघोषणा भी सुनी जा सकेगी। हालांकि यह उदघोषणा खाने-पीने को लेकर होगी।एनएमआरसी के अधिकारियों को ऐसे प्रयोगों के जरिए राजस्व में वृद्धि की पूरी उम्मीद है।

लखनऊ में नामांकन के बाद रक्षामंत्री तथा लखनऊ लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राजनाथ सिंह से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद व मार्गदर्शन लेते वरिष्ठ भाजपा नेता पं. रविकांत मिश्रा व अन्य।

ट्रैफिक ब्लॉक के कारण रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, आंशिक निरस्तीकरण/समय परिवर्तन एवं प्रारम्भिक/मार्ग परिवर्तन परिवर्तन

आधारिक असंरचना को और सुदृढ़ करने के लिए रेलवे द्वारा दिल्ली डिवीजन के दिल्ली – अम्बाला कैंट सेक्शन के निलोखेड़ी स्टेशन पर दिनांक 30.04.2024 से 07.05.2024 तक लूप लाईन एक्सटेंशन का कार्य किया जाएगा। इस कार्य के निष्पादन हेतु रेलवे द्वारा उपरोक्त अवधि के दौरान उपयुक्त पॉवर एवं ट्रैफिक ब्लॉक्स लिए जाएंगे। परिणामस्वरूप, निम्नलिखित रेलगाड़ियां अस्थाई रूप से प्रभावित रहेंगी:-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

रेलगाड़ी संख्या व नाम	निरस्त करने की तिथि (प्रारम्भिक स्टेशन से)
14053 दिल्ली जं.–दौलतपुर चौक (हिमाचल एक्स.)	30.04.2024, 01.05.2024, 02.05.2024 और 03.05.2024
14054 दौलतपुर चौक–दिल्ली जं. (हिमाचल एक्स.)	01.05.2024, 02.05.2024 03.05.2024 और 04.05.2024
04176 पानीपत जं. – अंबाला छावनी एक्सप्रेस	01.05.2024 और 02.05.2024
04140 अंबाला छावनी – कुरूक्षेत्र जं. एक्सप्रेस	02.05.2024 और 03.05.2024

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

रेलगाड़ी संख्या व नाम	मार्ग परिवर्तन वाया	तिथि (प्रारम्भिक स्टेशन से)
15707 कटिहार जं.–अमृतसर जं. एक्स.	जाखल–धूरी जं.–लुधियाना जं.	30.04.2024
11905 आगरा छावनी–होशियार पुर एक्स.	ह. निजामुद्दीन–गाजियाबाद–मेरठ सिटी–सहारनपुर–अंबाला छावनी	02.05.2024
11077 पुणे जं.–जम्मू तवी (झेलम एक्स.)	जाखल–धूरी जं.–लुधियाना जं.	01.05.2024
12266 जम्मू तवी–दिल्ली सराय रोहिल्ला (दुरन्तो एक्स.)	लुधियाना जं.–धूरी जं.–जाखल–दिल्ली सराय रोहिल्ला	02.05.2024
12312 कालका–हावड़ा (कालका मेल)	अंबाला छावनी–सहारनपुर–मेरठ सिटी–खुर्जा जं.	02.05.2024 और 03.05.2024

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण

रेलगाड़ी संख्या व नाम	स्टेशन जहाँ रेलगाड़ी यात्रा समाप्त / प्रारंभ करेगी	स्टेशनों के बीच रद्द रहेगी	निरस्तीकरण की तिथि (आरंभिक स्टेशन से)
04178 कुरूक्षेत्र जं.–दिल्ली जं. एक्सप्रेस	पानीपत से	कुरूक्षेत्र–पानीपत	02.05.24 और 03.05.24
04405 ह.निजामुद्दीन–कुरूक्षेत्र जं. स्पेशल	पानीपत पर	पानीपत–कुरूक्षेत्र –पानीपत	01.05.24 और 02.05.24
04406 कुरूक्षेत्र जं.–ह.निजामुद्दीन स्पेशल	पानीपत से		02.05.24 और 03.05.24
11841 खजुराहो–कुरूक्षेत्र जं. एक्सप्रेस	पानीपत पर	पानीपत–कुरूक्षेत्र–पानीपत	06.05.24
11842 कुरूक्षेत्र जं.–खजुराहो एक्सप्रेस	पानीपत से		07.05.24

रेलगाड़ियों के प्रस्थान समय में परिवर्तन

दिनांक 30.04.2024 को गाड़ी सं. 12983 अजमेर जं.–चंडीगढ़ जं. गरीब रथ सायं 18.00 बजे के स्थान पर सायं 20.00 बजे अजमेर जं. से प्रस्थान करेगी

दिनांक 02.05.2024 और 03.05.2024 को गाड़ी सं. 14034 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा–दिल्ली जं. जम्मू मेल सायं 15.20 बजे के स्थान पर सायं 17.50 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से प्रस्थान करेगी

दिनांक 02.05.2024 और 03.05.2024 को गाड़ी सं. 12414 जम्मू तवी–अजमेर जं. एक्सप्रेस सायं 18.15 बजे के स्थान पर सायं 20.15 बजे जम्मू तवी से प्रस्थान करेगी

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाईट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 | रेलमदद वेबसाइट देखें : www.railmadad.indianrailways.gov.in | रेलमदद ऐप डाउनलोड करें | उत्तर रेलवे आपकी सुविधा - हमारा ध्येय | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | 1283/24

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com, raghuvanshirampal365@gmail.com, raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

भारतीय किसान यूनियन बलराज संगठन के बैनर तले अनिश्चित कालीन धरना सेक्टर 142 नोएडा शहदरा गांव में 77वें दिन भी जारी रहा।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं0 24/2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी0) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। क्र.सं.:- 1, कार्य का विवरण:- समइ/पीलीभीत में निगोही-शाहबाजनगर स्टेशनों के मध्य पुल सं. 80 (किमी 60/3-4) पर अतिरिक्त एक स्पैन का प्रावधान। अनुमानित लागत रुपयों:- रु० 95,08,522.47, बयाना राशि रुपयों:- रु० 1,90,200/- निविदा प्रपत्र का मूल्य:- शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह, 1. ई-निविदा दिनांक 20.05.2024 को 15:00 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। 2. ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
मुजाधि/डब्लू-41 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा: 10वीं में प्रियांशी बनीं टॉपर, 12वीं में पीयूष अव्वल

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड बोर्ड कक्षा 10वीं और 12वीं के करीब 2 लाख छात्रों का इंतजार आखिरकार खत्म हुआ। उत्तराखंड बोर्ड ने कक्षा 10वीं और 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। 10वीं में 89.14 प्रतिशत बच्चे पास हुए हैं। 10वीं में प्रियांशी रावत नें टॉप किया है और 12वीं के टॉपर पीयूष खोलिया रहें। पिथौरागढ़ की रहने वाली छात्रा प्रियांशी रावत ने 500 में से 500 अंक प्राप्त कर प्रदेश में टॉप किया है। इसके अलावा, रुद्रप्रयाग के शिवम मलेठा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, पौड़ी गढ़वाल की आयुष ने तीसरा स्थान हासिल किया है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई- निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि. मण्डल विद्युत अभियन्ता (क०वि०), उत्तर मध्य रेलवे, आगरा द्वारा खुली निविदा निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती है।

क्र. स.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	धरोहर राशि
1	AGCTRDT 202401	दिल्ली पलवल सेक्शन में एल० सी० गेट सं0 568 व 571 पर 2 लेन का आरओबी बनने के कारण 66 के० वी० की ट्रांसमीशन लाइन को स्थानांतरितकरने का कार्य	रु. 27627634.60	रु. 288100/-

कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 माह, 1. निविदा पत्र भारतीय रेलवे की वेब साइट (www.ireps.gov.in) पर देखा व भरा जा सकते हैं। 2. निविदा पत्र सिर्फ भारतीय रेलवे की वेब साइट (www.ireps.gov.in) पर दि. 17.05.2024 को 1530 Hrs. तक भरा जा सकता है। 753/24 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @CPRONCR

खास खबर

एनपीएस खाते से जुड़े फ्री स्ट्रक्चर में बदलाव, न्यूनतम और अधिकतम सीमा तय

नईदिल्ली, एजेंसी। पेंशन नियामक पीएफआरडीए ने राष्ट्रीय पेंशन योजना का खाता खोलने की सुविधा देने वाले केंद्रों के शुल्क ढांचे में बदलाव किया है। इन केंद्रों द्वारा दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं के शुल्क की न्यूनतम और अधिकतम सीमा तय कर दी गई है। पहले इन केंद्रों को एनपीएस सदस्यों से मोलभाव करने की छूट थी।

पीएफआरडीए ने शुल्क में किए गए बदलाव का सर्कुलर जारी कर दिया है। दरअसल, ग्राहक के लिए एनपीएस खाता खुलवाने और उसे संचालित करने में आसानी हो, इसकी जिम्मेदारी प्वाइंट ऑफ प्रजेंस (पीओपी) को दी जाती है। इनका चयन नियामक खुद करता है। पीओपी का एक पूरा ब्रांच नेटवर्क होता है। पीओपी ग्राहक और एनपीएस के बीच अहम कड़ी है। ये केंद्र ग्राहक को सेवाएं देने के बदले कुछ शुल्क लेते हैं।

पीओपी में कौन-कौन शामिल- पेंशन नियामक पीएफआरडीए की ओर से पीओपी के रूप में बैंकों, एनबीएफसी और अन्य वित्तीय इकाइयां को चुना जाता है। यह एनपीएस में लोगों का पंजीकरण करते हैं और सदस्यों को और भी कई सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। नया खाता खोलने पर पीओपी को कमीशन भी मिलती है।

इसलिए हुआ शुल्क में बदलाव- एनपीएस सेवा प्रदाता पीओपी केंद्र, जो शुल्क लेंगे, बदलाव उसी में किया गया है। पहले पीओपी जो शुल्क लेते थे, उसकी कोई सीमा नहीं होती थी। इसके लिए ग्राहक इनसे मोलभाव करते थे। अब सीमा तय कर दी गई है। हालांकि, कुछ मामलों में ग्राहक पहले की तरह मोलभाव कर सकेंगे।

टाटा स्टील के शेयर ने बनाया रिकॉर्ड, 177 तक जाएगा भाव!

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार की बिकवाली के बीच टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील के शेयर ने 170 रुपये के स्तर को टच किया। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। हालांकि, इस शेयर में मुनाफावसूली आई और भाव एक फीसदी से ज्यादा टूटकर 165.85 रुपये पर आ गया। घरेलू ब्रोकरेज प्रभुदास लीलाधर के तकनीकी विश्लेषक शिजू

कूथुपालक्कल का अनुमान है कि शेयर अब 177 रुपये तक जा सकता है। उन्होंने 164 रुपये के स्टॉप लॉस के साथ शेयर को खरीदने की सलाह दी है।

सीईओ ने कही ये बात- इस बीच, अब टाटा स्टील के सीईओ टीवी नरेन्द्रन ने कहा है कि चूंकि स्टील आयात में वृद्धि जारी है तो इस स्थिति को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है। नरेन्द्रन ने कहा- यदि यही स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो यह दुख की बात होगी। हमें आयात को लेकर सतर्क रहना होगा। जब तक यह अनुचित आयात है, सरकार को इससे निपटने की जरूरत है।

इलेक्शन के बीच दालों के भाव ने बढ़ाई टेंशन, जमाखोरी करने वालों पर कार्रवाई की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। आम चुनावों के बीच दालों की बढ़ती कीमतों से चिंतित केंद्र सरकार दालों, खासकर अरहर और उड़द की जमाखोरी करने वाले व्यापारियों और बड़े कारोबारियों पर कार्रवाई की तैयारी में है। इन दोनों दालों के स्टॉक के खुलासे के संबंध में जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की टीम विभिन्न राज्यों में भेजी जाएगी। मामले से जुड़े दो अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इन अधिकारियों के मुताबिक बीते दिनों सरकार ने कारोबारियों, गोदाम संचालकों, मिल मालिकों और आयातकों को दालों का स्टॉक घोषित करने का निर्देश दिया था। इसके बाद व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने धीरे-धीरे अपने दालों के स्टॉक की स्थिति घोषित करना शुरू कर दिया है। अब तक 3 से 4 मिलियन टन स्टॉक घोषित किया गया है। इसे बाजार में आना चाहिए था, लेकिन इसका असर बाजार में नहीं दिख रहा है। इसलिए सरकार इस पूरे मामले की जांच करने जा रही है।

सात राज्यों में होगा दौरा

अधिकारियों ने कहा कि हमें लगता है कि व्यापारिक संस्थाएं दालों की जमाखोरी कर रही हैं। जमीनी हकीकत का पता लगाने के लिए अधिकारी देशभर के गोदामों, मिलों और मंडियों का दौरा करेंगे। पहले दौर में इस सप्ताह महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात सहित पांच से सात राज्यों का दौरा करने की योजना बनाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम सभी दालों के लिए है। हम विशेष रूप से अरहर, उड़द, पीली मटर और चना पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

इसलिए उठाना पड़ा कदम

अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने पिछले दिसंबर से इस साल जून तक पीली मटर के शुल्क मुक्त आयात की अनुमति दी थी। सरकार का यह प्रयार घरेलू बाजार में अरहर और उड़द की कमी के बीच दालों की सप्लाई बढ़ाने और कीमतों को स्थिर करने के अनुरूप था, लेकिन पीली मटर के आयात के साथ-साथ अरहर और उड़द के अलावा चने की कीमतें क्यों बढ़ रही हैं, इसका कारण हम समझ नहीं पा रहे हैं। पीली मटर के आयात का असर चने की कीमतों पर दिखना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है।

दालों का उत्पादन घटा

कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, चना फसल का उत्पादन 12.1 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के उत्पादन से थोड़ा कम है। चालू सीजन के लिए अरहर का अनुमान अक्टूबर के 3.42 मिलियन टन के अनुमान से घटाकर 3.33 मिलियन टन कर दिया गया है, लेकिन यह पिछले वर्ष के उत्पादन के बराबर है। वहीं, उड़द के मामले में, (खरीफ) उत्पादन पिछले सीज़न के 1.8 मिलियन टन के मुकाबले 1.5 मिलियन टन होने का अनुमान है।

दालों ही महंगाई दर ऊंची

विशेषज्ञों के मुताबिक, हालांकि मार्च में दालों की मुद्रास्फीति कुछ हद तक कम हुई, लेकिन साल-दर-साल यह काफी ऊंची बनी रही। मार्च में दालों की खुदरा मुद्रास्फीति 17.7 प्रतिशत थी, जो एक महीने पहले 18.9 प्रतिशत और एक साल पहले 4.4 प्रतिशत थी।

मसालों में टायफायड वाले बैक्टीरिया ! अमेरिका ने रिजेक्ट किया एमडीएच के 31 प्रतिशत शिपमेंट

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के कस्टम अथॉरिटीज ने पिछले छह महीनों में साल्मोनेला के कारण महाशियान दी हट्टी यानी एमडीएच प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्यात किए गए सभी मसाला से संबंधित शिपमेंट में से का कथित पता चलने के बाद कुछ एमडीएच और एवरेस्ट के उत्पादों की सेल सस्पेंड कर दी है।अक्टूबर 2023 से एमडीएच के सभी शिपमेंट का लगभग एक-तिहाई यानी 11 शिपमेंट को यूस ने रिजेक्ट कर दिया है। इसमें

31 फीसद को रिजेक्ट कर चुका है। अक्टूबर 2023 से रिफ्यूजल रेट पिछले साल भेजे गए सभी शिपमेंट के लिए 15 प्रतिशत से उछलकर दोगुनी हो गई है।

हाल के महीनों में साल्मोनेला कंटैमिनेशन की वजह से रिफ्यूजल रेट में उछाल ऐसे समय में आया है, जब सिंगापुर और हांगकांग दोनों ने मसालों में कार्सिनोजेनिक कीटनाशक मसाले, फ्लेवर और साल्ट के रूप में वर्गीकृत उत्पाद शामिल हैं। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आंकड़ों से पता चला है कि अक्टूबर 2022 और सितंबर 2023 के बीच रिफ्यूजल रेट 15 प्रतिशत थी। इसके अतिरिक्त अक्टूबर 2020 से रिजेक्ट किए गए सभी एमडीएच एक्सपोर्ट शिपमेंट साल्मोनेला कंटैमिनेशन से प्रदूषित थे।

क्या है साल्मोनेला

अगर किसी खाद्य पदार्थ में साल्मोनेला बैक्टीरिया है और इसका सेवन करते हैं तो पेट में गंभीर इन्फेक्शन हो सकता है। ठीक से अगर न पकाया गया तो आंतों में संक्रमण हो सकता है। टायफायड के लिए यही बैक्टीरिया जिम्मेदार होता है। साल्मोनेला बैक्टिरिया जानवरों जैसे अंडा, बीफ, कच्चे मुर्गों और फल-सब्जियों के साथ-साथ इंसान के आंतों में भी पाया जाता है। एक खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञ ने बताया कि यदि आप कटाई से लेकर प्रोसेसिंग से लेकर पैकेजिंग तक वैल्यू चेन मेंटेन नहीं करते हैं तो साल्मोनेला से बच नहीं सकते। एफडीए ने जनवरी 2022 में एमडीएच के मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट का निरीक्षण किया था। इस दौरान उसने पाया कि यूनिट में पर्याप्त स्वच्छता सुविधाएं नहीं थीं।

चालू अमेरिकी संघीय वित्त वर्ष (अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024) में, सभी एवरेस्ट निर्यात शिपमेंट का 0.3 प्रतिशत रिजेक्ट कर दिया गया है,। पिछले वित्त वर्ष में यह 3 प्रतिशत था। अक्टूबर 2023 से कुल 5 शिपमेंट को रिजेक्ट कर दिया गया है। इनकार मुख्य रूप से लेबलिंग-संबंधित उल्लंघनों पर था।

कुल मिलाकर, अमेरिका वित्त वर्ष 21 और 23 के बीच भारत से भेजे गए सभी रिफ्यूजल शिपमेंट का लगभग 10 प्रतिशत मसाले, फ्लेवर और साल्ट कैटेगरी से संबंधित था। एफडीए के दिशानिर्देशों के अनुसार, यदि किसी शिपमेंट को एंट्री से मना कर दिया जाता है, तो आयातक या तो इसे नष्ट कर सकता है या इसे अमेरिका से बाहर निर्यात कर सकता है। रिजेक्शन के बाद शिपमेंट का क्या होता है, इस पर एफडीए डेटा प्रकाशित नहीं करता है।

विदेश में कारोबार बढ़ा रही कंज्यूमर टेक ब्रांड बोल्ट, अब आईपीओ लॉन्च करने का है प्लान

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के कंज्यूमर टेक ब्रांड बोल्ट की योजना अगले साल आईपीओ लाने की है। कंपनी के सह-संस्थापक वरुण गुप्ता ने कहा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में 1,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करने के बाद आईपीओ लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि कंपनी अंतरराष्ट्रीय बाजार और नई श्रेणियों में विस्तार कर रही है।

क्या है कंपनी का प्लान- वरुण गुप्ता ने पीटीआई-भाषा से विशेष बातचीत में कहा-हम इस वर्ष आईपीओ पर ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे हैं, लेकिन शायद अगले साल विचार करेंगे। हमारा पहला ध्यान बाजारों, अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक क्षेत्रों और नई श्रेणियों में प्रवेश करना है। उन्होंने कहा कि कंपनी ने आईपीओ लाने से पहले अपने लिए एक आंतरिक लक्ष्य तय किया है।

हम आज भी ला सकते आईपीओ- उन्होंने बताया- जब हम 1,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल कर लेंगे, तभी हम आईपीओ के लिए जाना चाहते हैं। तकनीकी रूप से, हम आज आईपीओ ला सकते हैं, क्योंकि हम मुनाफे में हैं लेकिन हमने 1,000 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य तय किया है और उसके बाद ही हम खुद को आईपीओ के लिए योग्य मानेंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी ऑफलाइन रिटेल स्टोर में अपनी उपस्थिति बढ़ा रही है।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड बोर्ड स्पेशल डिविडेंड के डिक्लेरेशन पर विचार करेगा

नई दिल्ली , एजेंसी। फाइनेंशियल सर्विसेज़ सेक्टर की लीडिंग कंपनी स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि स्पेशल डिविडेंड की घोषणा पर विचार करने के लिए उसका बोर्ड 30 अप्रैल को बैठक करेगा।

बोर्ड इक्विटी शेयर्स/कन्वर्टिबल सिक्योरिटीज़ को प्रेफरेंशियल इश्यू/राइट्स इश्यू/या किसी अन्य तरीके से जैसा विचार किया जा सकता है या जैसा उचित समझा जा सकता है, जारी करने पर भी विचार करेगा।

इससे पहले, कंपनी ने स्टॉक को 10:1 रेशो में विभाजित किया था (10 रुपये के एफवी वाले 1 इक्विटी शेयर को प्रत्येक 1 रुपये के एफवी वाले 10 शेयर्स में विभाजित किया था) और 2:1 रेशो में बोनस जारी किया था (1 एफवी रुपये के दो बोनस शेयर्स तथा प्रत्येक धारित 1 एफवी रुपये के प्रत्येक एक्जिस्टिंग इक्विटी शेयर हेतु)। स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड फाइनेंशियल सर्विसेज़ सेक्टर में एक अग्रणी खिलाड़ी है। प्रत्येक ग्राहक की विशिष्टता को अपनाते हुए, कंपनी लगातार व्यक्तिगत, पेशेवर सेवाएं देने का प्रयास करती है। यह बेस्ट प्रोफेशनल नॉर्म्स और प्रैक्टिसेस का सख्ती से पालन करते हुए, हर बातचीत में गतिशीलता दिखाते हुए, प्रत्येक ग्राहक के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को बरकरार रखता है। कंपनी पर्सनल लोन्स की एक विविध श्रृंखला प्रदान करती है, जो न केवल प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करती है बल्कि फ्लेक्सिबल रीपेमेंट शर्तें भी सुनिश्चित करती है। उनके समर्थन से, ग्राहक बिना किसी भ्रम या चिंता के आत्मविश्वास से अपने लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। फाइनेंशियल सपोर्ट चाहने वाले व्यवसायों के लिए, कंपनी फ्लेक्सिबल ओवरड्राफ्ट ऑप्शंस के साथ बिज़नेस लोन देती है।

कंपनी ग्राहकों को तेज़ वित्तीय सहायता प्रदान करके, आसानी से बिज़नेस ग्रोथ को बढ़ावा देकर प्रतिस्पर्धा में आगे रहने के लिए सशक्त बनाती है। फ्लेक्सी ओवरड्राफ्ट सुविधा कैश फ्लो मैनेजमेंट को आसान बनाती है, आवश्यकतानुसार धन तक आसान पहुंच प्रदान करती है और ट्रेडिशनल लोन ऐप्लिकेशंस की जटिलताओं को दूर करती है।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड के आगामी प्रोडक्ट्स में फी फाइनेंसिंग और गोल्ड लोन शामिल हैं। फी फाइनेंसिंग की पेशकश इच्छुक छात्रों और अभिभावकों की जरूरतों को पूरा करती है और एजुकेशनल एक्सपेंसेस को सरल बनाती है। टेक-ड्रिवन प्लेटफ़ॉर्म फी फाइनेंसिंग के लिए तेज़ और सहज ऐप्लिकेशंस को सक्षम बनाता है, जिससे सभी के लिए सुलभ और किफायती शिक्षा सुनिश्चित होती है।

बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस ने प्रिवे लॉन्च किया

एक अनूठा प्रोग्राम जो बेमिसाल कवरेज और उत्कृष्ट सेवा प्रदान करता है

पुणे , एजेंसी। भारत की अग्रणी निजी सामान्य बीमा कंपनियों मेंसे एक बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस ने आज प्रिवे को लॉन्च कर दिया। यह एक एक्सक्लूसिव कस्टमर इक्स्पीरीयंस प्रोग्राम है जो बेजोड़क्वालिटी के साथ साथ ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा तक अपनी पहुंच प्रदानकरता है। परंपरागत रूप से, भारत में पिछले कुछ सालों में बीमा काविस्तार करने का प्रयास ज्यादातर टियर 2/टियर 3 स्थानों और ग्रामीणबाजारो में केंद्रित रहा है, जिसमें मुख्य रूप से मध्यम, उच्च मध्यम वर्ग औरग्रामीण ग्राहक शामिल हैं। उपरोक्त सभी ग्राहक खंडों में बीमा पैठ बढ़ाने पर अपने मजबूत फोकस के अलावा, बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस अब ग्राहकों के एक विशेष क्लास कोअपनी सेवाएं देगा, जिन्हें आमतौर पर बढ़ी हुई कवरेज सीमा के साथ बीमासोल्युशंस की आवश्यकता होती है। ऐसे समझदार ग्राहकों की वित्तीयऔर लाइफस्टाइल से जुड़ी प्राथमिकताओं के अनुरूप उनकी जरूरतों औरसुरक्षा को पहचानते हुए, प्रिवे ट्रडिशनल बीमा प्रोडक्टस से कहीं आगेनिकल जाता है। प्रिवे का हिस्सा बनकर, ग्राहकों को उनकी विशिष्ट औरप्राथमिकता वाली बीमा सेवाओं की एक रेंज मिल जाती है, जिससे

उनकीआवश्यकताओं को आसानी से पूरा किया जाता है।

प्रिवे का हिस्सा बनने के लिए, ग्राहकों के पास उनकी विशिष्टआवश्यकताओं के अनुसार स्वास्थ्य, घर, मोटर, व्यक्तिगत दुर्घटना औरसाइबर, बीमा जैसे उत्पादों की एक श्रृंखला से चयन करने की सुविधा है।इसके बीमा उत्पादों में वर्तमान में माई हेल्थ केयर प्लान शामिल है, जोएलिजिबिलिटी क्राइटेरिया के रूप में न्यूनतम 1 करोड़ रुपये की बीमाराशि के साथ अनुकूलन योग्य स्वास्थ्य बीमा कवरेजप्रदान करता है। ग्लोबल हेल्थ केयर विदेशी चिकित्सा उपचार के साथसाथ अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों तरह के नियोजित और आपातकालीनउपचार जैसे कवरेज प्रदान करता है। साथ ही इसके ग्राहक पात्रता केलिए बीमा राशि के किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं। इसके अलावा, वी-पे ऐड-ऑन कवर के साथ एक मोटर प्रोडक्ट भी ऑफर किया जाएगा।इस ऐड-ऑन कवर ऑफर के तहत खंडित मोटर बीमाऐड-ऑन की एक रेंज के फ़ायदों का भी समावेश है, जिसके लिए मोटरवहीकल के लिए न्यूनतम बीमाकृत घोषित मूल्य (आईडीवी) 25 लाखरुपये या उससे अधिक की आवश्यकता होती है। माई होम इंश्योरेंस ऑलरिस्क पॉलिसी घर की संरचना और घर में मूल्यवान सामग्री दोनों के लिएव्यापक बीमा कवरेज सुनिश्चित करती है।

जेके सीमेंट ने पन्ना प्लांट में नई प्रोडक्शन लाईन के साथ अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाई

पन्ना , एजेंसी। भारत में ग्रे सीमेंट के प्रमुख निर्माताओं और दुनिया भर में व्हाईट सीमेंट के प्रतिष्ठित उत्पादकों में से एक जेके सीमेंट ने अपने पन्ना प्लांट में नई प्रोडक्शन लाईन शुरू करने की घोषणा की है। यह कंपनी की विस्तार योजनाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो उद्योग जगत के प्रमुख प्लेयर के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत बनाते हुए सीमेंट की बढ़ती मांग को पूरा करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पन्ना प्लांट में नई प्रोडक्शन लाईन इसकी क्लिंकर उत्पादन क्षमता को 3.3 एमटीपीए से दोगुना कर 6.6 एमटीपीए कर देगी। यह विस्तार जेके सीमेंट को उत्तर प्रदेश, बिहार एवं मध्य भारत में सीमेंट की बढ़ती मांग को पूरा करने में सक्षम बनाएगा।

इस अवसर पर डॉ राघवपत सिंघानिया, मैनेजिंग डायरेक्टर, जेके सीमेंट ने कहा, ''जेके सीमेंट विकास एवं विस्तार की बुनियाद पर आधारित है। पन्ना प्लांट में हमारी नई प्रोडक्शन लाईन, हमारी विस्तार योजनाओं का मुख्य भाग है, जो सीमेंट उद्योग में अग्रणी प्लेयर बनने के हमारे दृष्टिकोण को गति प्रदान

करेगा। यह विस्तार उच्च गुणवत्ता के सीमेंट की बढ़ती मांग को पूरा करने में मददगार होगा, इस तरह उपभोक्ताओं को सेवाएं प्रदान करने की हमारी क्षमता बढ़ेगी। हम सभी हितधारकों को उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने और देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

श्री माधवकृष्णा सिंघानिया, डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, जेके सीमेंट लिमिटेड ने कहा, ''हमारी नई प्रोडक्शन लाईन का लॉन्च दीर्घकालिक विकास एवं संचालन दक्षता हासिल करने की जेके सीमेंट की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह विस्तार हमें उत्पादन प्रक्रियाओं को अनुकूलित करने में सक्षम बनाएगा, इससे हम अपनी पूर्ण क्षमता का सदुपयोग कर सीमेंट उद्योग के भविष्य के लिए अपनी स्थिति को और अधिक मजबूत बना सकेंगे।'' नई प्रोडक्शन लाईन में सटीक नियन्त्रण एवं निगरानी, मानवीय हस्तक्षेप को कम करने और दक्षता बढ़ाने के लिए आधुनिक ऑटोमेशन सिस्टम है। उचित परफोर्मेन्स, विश्वसनीयता, निरंतर आउटपुट गुणवत्ता एवं उर्जा दक्षता को सुनिश्चित करने वाले आधुनिक मशीनरी और उपकरण- स्थायित्व के लिए जेके सीमेंट की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

लखनऊ की मुंबई से टक्कर आज

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 का 48वां मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच मंगलवार शाम 7.30 बजे से लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों ही टीमें इस मुकाबले को जीतना चाहेंगी। लखनऊ और मुंबई को अपने पिछले मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। लखनऊ सुपर जायंट्स को राजस्थान रॉयल्स ने शिकस्त दी थी। केएल राहुल की टीम इस मैच में 196 रन का बचाव नहीं कर पाई थी। दूसरी तरफ मुंबई इंडियंस पिछले मैच में दिल्ली के ओपनर जेक फ्रेजर की तूफानी पारी में उड़ गई थी। दिल्ली ने 257 रन ठोके थे। मुंबई इंडियंस इस लक्ष्य का पीछा करते हुए 247 रन बना पाई थी और 10 रन से मैच हार गई थी। ऐसे में दोनों ही टीमें जीत कर लय हासिल करना चाहेंगी। आईपीएल 2024 के पॉइंट्स टेबल में मुंबई इंडियंस 9 मैच में तीन मुकाबले जीते हैं और 6 गंवाए हैं। वहीं, लखनऊ सुपर जायंट्स अंक तालिका में 9 में से पांच मैच जीतकर 5वें स्थान पर है।

हार्दिक पंड्या बतौर कप्तान और खिलाड़ी फिसड्डी

- हार्दिक पंड्या आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे। लेकिन वो बतौर कप्तान और खिलाड़ी अब तक फिसड्डी साबित हुए हैं। उन्होंने 9 मैच में 197 रन बनाए हैं। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 56 की औसत से 4 विकेट लिए हैं और उनका इकोनॉमी रेट 12 का है।

लखनऊ सुपर जायंट्स की ताकत बल्लेबाजी

- लखनऊ सुपर जायंट्स की ताकत उसकी बल्लेबाजी है। केएल राहुल, निकोलस पूरन लगातार रन बना रहे हैं। वहीं, मार्कस स्टोइनिस भी चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ नाबाद 124 रन ठोककर लय हासिल कर चुके हैं। राहुल ने 9 मैच में 378 रन बनाए हैं। वहीं, पूरन ने 9 मैच में 291 रन बनाए हैं। ऐसे में मुंबई के खिलाफ मुकाबले में भी इन दोनों पर बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई की ताकत भी बल्लेबाजी

- मुंबई इंडियंस की भी आईपीएल 2024 में ताकत उसकी बल्लेबाजी ही है। रोहित शर्मा और तिलक वर्मा टीम के लिए लगातार रन बना रहे। तिलक ने 9 मैच में तीन अर्धशतक की मदद से 336 रन बनाए हैं। रोहित ने 9 मैच में 311 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार यादव भी लय में हैं।

हेड टू हेड

लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल में अबतक 4 मैच खेले गए हैं। इसमें से तीन में लखनऊ ने जीत हासिल की है।

संभावित प्लेइंग 11

लखनऊ सुपर जाइंट्स : क्विंटन डी कॉक, केएल राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), मार्कस स्टोइनिस, निकोलस पूरन, दीपक हुडा, आयुष बदोनी, क्रुणाल पंड्या, मैट हेनरी, रवि बिश्नोई, मोहसिन खान, यश ठाकुर।

मुंबई इंडियंस : रोहित शर्मा, इशान किशन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या (कप्तान), टिम डेविड, मोहम्मद नबी, पीयूष चावला, ल्यूक वुड, जसप्रीत बुमराह, नुवान तुषारा।

समय : शाम 7.30 से बजे।

न्यूजीलैंड ने अनोखे तरीके से की टी20 विश्व कप टीम की घोषणा

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने टी20 विश्व कप 2024 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की बात करें तो विलियमसन टूर्नामेंट में न्यूजीलैंड के लिए अपनी कप्तानी की जिम्मेदारी फिर से संभालते नजर आएंगे। टीम की घोषणा दो बच्चों एंगस और मटिल्डा ने की, जिसका एक वीडियो एनजेडसी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर साझा किया। बच्चों ने टीम की घोषणा करते हुए कहा, 'सभी को सुप्रभात। यहां आने के लिए धन्यवाद।'

मैं मटिल्डा हूं, मैं एंगस हूं और आज आपको वेस्टइंडीज और यूएसए में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए ब्लैक कैप्स टीम की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इसका वीडियो वायरल हो गया और एनजेडसी की अपनी टीम को सार्वजनिक करने की अनूठी शैली से आश्चर्यचकित हैं। कुछ ने अन्य बोर्डों को भी इसका अनुसरण करने का सुझाव दिया। एक ने लिखा, 'अन्य बोर्डों को सीखने की जरूरत है, यह सिर्फ एक खेल है, रक्षा सौदा नहीं। इसे खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के लिए मनोरंजक और ठंडा माहौल बनाएं।' एक अन्य यूजर ने कहा, 'आप इसे हमेशा प्यारे तरीके से करेंगे।' अन्य ने कहा, 'विश्व कप टीम की घोषणा करने का आपका तरीका बहुत अनोखा और आंखों को भाने वाला है...बहुत पसंद आया।' यह पहली बार नहीं था कि न्यूजीलैंड ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए टीम की घोषणा करने का अनोखा तरीका अपनाया। पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप के लिए उन्होंने अपनी टीम की घोषणा करने के लिए खिलाड़ियों के परिवार के सदस्यों का उपयोग करने का निर्णय लिया। टी20 विश्व कप 2024 वेस्टइंडीज और यूएसए में 1 जून से शुरू होने वाला है।

टी20 विश्व कप 2024 के लिए न्यूजीलैंड टीम

केन विलियमसन (कप्तान), फिन एलन, ट्रेंट बोल्ट, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, ईश सोढ़ी, टिम साउथी

ट्रैवलिंग रिजर्व : बेन सियर्स

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल प्लेऑफ की पहली टीम!

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीजन अब अपने रोमांचक मुकाबलों के साथ प्लेऑफ की ओर बढ़ने लगा है। इसके लिए राजस्थान रॉयल्स समेत सात टीमों ने अपनी दावेदारी ठोक दी है। जबकि संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान अभी एक मात्र टीम ऐसी है, जिसने प्लेऑफ की दहलीज पर कदम रख दिया है। इसके अलावा बाकी 6 टीमें अब भी रेस में बनी हुई हैं।

इनमें कोलकाता नाइट राइडर्स, सनराइजर्स हैदराबाद, लखनऊ सुपर जायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स, चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटन्स शामिल हैं। दो मई को मिलेगी इस सीजन की पहली प्लेऑफ टीम मगर इन सबके

बीच फैन्स के लिए जल्द ही एक बड़ी खबर सामने आ सकती है। इस IPL सीजन में पहली प्लेऑफ टीम जल्द देखने को मिल सकती है। यह पहली टीम राजस्थान रॉयल्स हो सकती है। राजस्थान ने अब तक 9 में से 8 मुकाबले जीते हैं। इसके साथ ही इस टीम के अभी 16 अंक हो गए हैं।

बैडमिंटन: सिंधू-लक्ष्य और प्रणय समेत सात भारतीय खिलाड़ियों का जलवा

नई दिल्ली। भारत के सात बैडमिंटन खिलाड़ियों ने आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। ये सात खिलाड़ी चार अलग-अलग श्रेणी के हैं। साई मीडिया ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की है। इन सभी खिलाड़ियों ने रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। ओलंपिक इस साल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक खेला जाएगा। इन सात खिलाड़ियों में से हाल में क्वालिफाई करने वाले खिलाड़ी एचएस प्रणय और लक्ष्य

सेन हैं। इन दोनों ने पुरुष एकल वर्ग में बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधू ने महिला एकल वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। वह इस वर्ग में भारत की अकेली प्रतिद्वंद्वी हैं। सिंधू ने 2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक और 2021 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पहले ही पुरुष युगल वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं। दोनों की मौजूदा वर्ल्ड रैंकिंग तीन है। महिला युगल में अश्विनी पोनप्पा और तनीशा क्रास्तो की जोड़ी ने ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। इन सातों खिलाड़ियों के हाथों में बैडमिंटन में भारत को पदक दिलाने की जिम्मेदारी होगी।

इंटर मियामी की जीत में मेसी ने दागे दो गोल

मैसाचुसेट्स। इंटर मियामी के सुपरस्टार स्ट्राइकर लियोनल मेसी ने मेजर लीग सॉकर के मुकाबले में न्यू इंग्लैंड रिवोल्यूशन के घरेलू मैदान में रिकॉर्ड संख्या में मौजूद दर्शकों के सामने अपनी टीम इंटर मियामी को 4-1 से जीत दिला दी। विश्व कप विजेता कप्तान मेसी ने अपने शानदार खेल से जिलेट स्टेडियम में खचाखच भरे प्रशंसकों को निराश नहीं किया और एक गोल से पिछड़ने के बाद मुकाबले में टीम की दमदार वापसी कराई। उन्होंने मैच में दो गोल दागे। मियामी की टीम मैच के पहले मिनट में ही टॉमस चानकले के गोल के बाद पिछड़ गई थी, लेकिन मेसी ने स्कोर बराबर करने के बाद मैच के 68वें मिनट में बाएं पैर की किक से सत्र का अपना नौवां गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। मियामी के लिए दो अन्य गोल बेंजामिन क्रेमास्ची और मेसी के दोस्त लुईस सुआरेज ने दागे।

एशियाई खेलों से बाहर होने से राष्ट्रीय टीम में वापसी की प्रेरणा मिली तरुणदीप राय

कोलकाता। तीरंदाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाले तरुणदीप राय ने रविवार को कहा कि पिछले एशियाई खेलों की टीम से बाहर होने के बाद वह गुस्से में थे लेकिन उन्होंने इसे दमदार वापसी करने के लिए प्रेरणा की तरह लिया। तीन बार के ओलंपियन राय ने विश्व कप में ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने के बाद कहा, '' मैं गुस्से से भरा था लेकिन मैंने खुद को एक और मौका देने का फैसला किया।'' एशियाई खेलों (ग्वांगझू 2010) में देश के लिए पदक जीतने वाले इकलौते रिकर्व तीरंदाज राय ने कहा, '' मैं क्वालीफिकेशन में कुछ नियमों के कारण अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद हांगझोउ एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम से बाहर हो गया था।''

राय, धीरज बोम्मदेवरा और प्रवीण जाधव की भारतीय तिकड़ी ने मौजूदा ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को पछाड़ते हुए रविवार को यहां 14 साल बाद तीरंदाजी विश्व कप में ऐतिहासिक जीत हासिल की। यह पहली बार है जब तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में भारतीय पुरुष टीम ने कोरिया को शिकस्त दी है। इस जीत से टीम पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल करने के मामले में अच्छी स्थिति में है। चालीस साल के राय 2010 विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के भी सदस्य थे। उस विश्व कप का आयोजन भी शंघाई में हुआ था।

तीरंदाजी जैसे सटीक निशाने से जुड़े खेल में शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए खिलाड़ी को अपनी पूर्ण फिटनेस बरकरार रखनी होती है। पुणे स्थित सेना के जवान को पता था कि यह उनके लिए यह मौका 'अभी या कभी नहीं' जैसे है। राय ने फिटनेस हासिल करने के लिए अपनी जीवनशैली में कुछ कठोर बदलाव किया। उन्होंने तीरंदाजी की नियमित अभ्यास के साथ अपने आहार और शारीरिक कसरत पर ध्यान देना शुरू किया। उन्होंने अपने आहार में 60 प्रतिशत फलों को शामिल किया और जिम में अधिक समय देने लगे। राय ने कहा, ''जैसा कि आप जानते हैं जब आपकी उम्र बढ़ने लगती है तो मुख्य मांसपेशियां का लचीलापन और ताकत कम हो जाता है। अगर मैं शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में विफल रहा तो यह खिलाड़ी के तौर पर मेरे लिए शर्मनाक बात होगी। ऐसे मुझे किसी युवा खिलाड़ी के मुकाबले दोगुना प्रयास करना पड़ता है।'' राय ने पिछले साल एशियाई खेलों से चुकने के बाद दो महीने में 12 किलो वजन कम किया है। उन्होंने दो महीने के लंबे ट्रायल में अच्छे प्रदर्शन के साथ विश्व कप टीम में जगह बनायी। साल 2003 में विश्व चैम्पियनशिप से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज करने वाले राय ने कहा,''मैं इस समय बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, जैसे कि मैं अब तक की सबसे अच्छी स्थिति में हूं। मुझमें बच्चों जैसी ऊर्जा है जो मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

> तीन बार के ओलंपियन राय ने विश्व कप में ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने के बाद कहा, '' मैं गुस्से से भरा था लेकिन मैंने खुद को एक और मौका देने का फैसला किया।'' एशियाई खेलों में देश के लिए पदक जीतने वाले इकलौते रिकर्व तीरंदाज राय ने कहा, '' मैं क्वालीफिकेशन में कुछ नियमों के कारण अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद हांगझोउ एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम से बाहर हो गया था।''

बालाजी कन्सट्रक्शन कम्पनी

शॉप नं0 14, ओम कॉम्प्लेक्स, नया बॉस, सेक्टर–15, नोएडा (गौतमबुद्धनगर)

फोन– 0120– 2321857

मो0– 9811082962

होना चाहते हैं मालामाल, तो बैशाख माह में जरूर करें ये चमत्कारी उपाय

हिंदू पंचांग के अनुसार, साल का दूसरा महीना वैशाख होता है। इस महीने में जगत के पालनहार भगवान विष्णु और धन की देवी माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसा भी कहा जाता है कि यह माह भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को को प्रसन्न करने के लिए बेहद खास होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस माह पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के सभी कष्ट और दुख दूर हो जाते हैं। इस बार वैशाख माह की शुरुआत 24 अप्रैल से हो चुकी है और इसका समापन अगले महीने 23 मई को होगा। माना जाता है कि इस माह में कुछ खास उपाय करने से सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है और व्यक्ति कुछ ही दिनों में मालामाल हो सकता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार, साल का दूसरा महीना वैशाख होता है। इस महीने में जगत के पालनहार भगवान विष्णु और धन की देवी माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की जाती है। ऐसा भी कहा जाता है कि यह माह भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को को प्रसन्न करने के लिए बेहद खास होता है। धार्मिक मान्यता है कि इस माह पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति के सभी कष्ट और दुख दूर हो जाते हैं। इस बार वैशाख माह की शुरुआत 24 अप्रैल से हो चुकी है और इसका समापन अगले महीने 23 मई को होगा। माना जाता है कि इस माह में कुछ खास उपाय करने से सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है और व्यक्ति कुछ ही दिनों में मालामाल हो सकता है। आइए जानते हैं वैशाख माह में किए जाने वाले कुछ खास उपायों के बारे में।

शास्त्रों में वैशाख माह सभी अन्य महीनों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इस महीने में भगवान विष्णु के परशुराम, नृसिंह, वराह, कूर्म और बुद्ध अवतार की पूजा की जाती है। इस माह में रोजाना 11 बार 'ॐ माधवाय नमः' मंत्र का जाप करें। ऐसा करने पर परिवार पर आने वाले सभी संकटों दूर होते हैं और घर में खुशहाली आती है।

वैशाख महीने के उपाय

हिंदू धर्म में दान करने का विशेष महत्व है। अगर आप पापों से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो वैशाख माह में अपनी श्रद्धा अनुसार तिल, आम, सत्तू और कपड़ों का दान करें। ऐसा कहा जाता है कि इन चीजों का दान करने से पापों का नाश होता है।

वैशाख माह में पड़ने वाली अक्षय तृतीया के दिन सोना या फिर चांदी की कोई चीज खरीदें। धार्मिक मान्यता है कि इस शुभ दिन पर सोना या फिर चांदी खरीदने से घर में सुख और समृद्धि का वास होता है। साथ ही देवी-देवता भी प्रसन्न होते हैं। इस दिन विवाह, सगाई, गृह प्रवेश करने से उसमें सफलता मिलती है।

वैशाख माह में बहुत ही गर्मी होती है, तो ऐसे में गरीब लोगों को चप्पल, छाता का दान करें। इसके अलावा पशु-पक्षियों के लिए खाने के लिए चीजें और पानी जरूर रखें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय से जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

इस माह में कांस्य के बर्तन में भोजन करने से और खाट पर सोने से व्यक्ति की सभी बीमारियां खत्म हो जाती हैं। वैशाख माह में गुड़ का दान करने से पितृ दोष से छुटकारा मिलता है और साथ ही आरोग्य का वरदान मिलता है।

वैशाख माह में पड़ने वाले सोमवार को भगवान शिव का विधिपूर्वक रुद्राभिषेक करें और उनकी प्रिय चीजों का भोग लगाएं। ऐसा करने से व्यक्ति को धन-धान्य की प्राप्ति होती है। साथ ही सारी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

शास्त्रों में वैशाख माह सभी अन्य महीनों में सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इस महीने में भगवान विष्णु के परशुराम, नृसिंह, वराह, कूर्म और बुद्ध अवतार की पूजा की जाती है। इस माह में रोजाना 11 बार 'ॐ माधवाय नमः' मंत्र का जाप करें। ऐसा करने पर परिवार पर आने वाले सभी संकट दूर होते हैं और घर में खुशहाली आती है।

एक श्राप के कारण यमराज को विदुर के रूप में लेना पड़ा जन्म

महाभारत काल में एक श्राप के कारण खुद यमराज को एक विदुर के रूप में जन्म लेना पड़ा था। अब आप सोच रहे होंगे कि विदुर क्या है। विदुर कुछ और नहीं बल्कि यमराज का नाम है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऋषि मैत्रेय के श्राप के कारण महाभारत काल में यमराज को एक दासी के यहां जन्म लेना पड़ा था और विदुर नाम रखा गया था। यमराज विदुर के रूप में एक दासी पुत्र थे।

महाभारत काल में कई लोगों को किसी न किसी श्राप के कारण जन्म लेना पड़ा। इससे यमराज भी अछूते नहीं रहे। महाभारत काल में एक श्राप के कारण खुद यमराज को एक विदुर के रूप में जन्म लेना पड़ा था। अब आप सोच रहे होंगे कि विदुर क्या है। विदुर कुछ और नहीं बल्कि यमराज का नाम है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, ऋषि मैत्रेय के श्राप के कारण महाभारत काल में यमराज को एक दासी के यहां जन्म लेना पड़ा था और विदुर नाम रखा गया था। यमराज विदुर के रूप में एक दासी पुत्र थे।

ऋषि मैत्रेय ने दूर की शंका

पौराणिक कथा के अनुसार, ऋषि मैत्रेय ने विदुर की शंका का समाधान करते हुए कहा कि विदुर तुम वास्तव में यमराज हो। मांडव्य ऋषि के श्राप के कारण तुम्हें मनुष्य योनि में दासी-पुत्र के रूप में जन्म लेना पड़ा। विदुर ने जब इस श्राप का कारण पूछा तो ऋषि ने कहा कि एक बार कुछ चोर एक राजा के राजकोष से धन चुरा कर भाग रहे थे। सिपाही चोरों की खोज चारों दिशाओं में कर रहे थे। ऐसे में उन चोरों का बचकर भाग निकलना मुश्किल था। भागते-भागते चोर एक घने वन से गुजर रहे थे। उस वन में मांडव्य ऋषि का आश्रम था। घबराहट में चोरों ने चोरी किया हुआ सारा धन उस आश्रम में छिपा दिया और वहां से भाग गए।

जब राजा के सैनिक चोरों का पीछा करते हुए मांडव्य ऋषि के आश्रम पहुंचे। तो काफी खोजबीन करने पर चोरी किया हुआ धन उस आश्रम में मिल गया। सैनिकों ने ऋषि को ही चोर समझा। वे उन्हें पकड़कर राजा के पास ले गए। राजा ने सैनिकों से सारी बात जानने के बाद ऋषि को फांसी की सजा सुना दी।

फांसी देने के बाद भी नहीं निकले प्राण

जब ऋषि को फांसी दी जा रही थी तो वहीं पर ऋषि मंत्र जाप करने लगे। राजा के कर्मचारियों ने उन्हें फांसी पर लटका दिया, लेकिन आश्चर्य, ऋषि के प्राण नहीं निकले। जब काफी देर हो गई तो सैनिकों को भी आश्चर्य हुआ कि फांसी पर लटकने के बाद भी ऋषि के प्राण क्यों नहीं निकल रहे हैं। जब यह बात राजा तक पहुंची तो उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ और उन्होंने ऋषि से क्षमा मांगी।

यमराज की सभा में पहुंचे ऋषि मांडव्य

ऋषि ने राजा से कहा कि राजन, मैं तुम्हें तो क्षमा कर दूंगा लेकिन यमराज को क्षमा नहीं करूंगा कि निरपराधी होते हुए भी मुझे मृत्यु दंड दिया गया? इसके लिए मैं यमराज को अवश्य दंड दूंगा।

इधर ऋषि अपने तपोबल से यमराज की सभा में पहुंच गए। उन्होंने यमराज से पूछा कि जब मैंने कोई अपराध ही नहीं किया तो मुझे मृत्य दंड का कष्ट क्यों भोगना पड़ा? क्रोध से आए मांडव्य ऋषि को देखकर यमराज भी डर गए। उन्हें लगा कि ऋषि कहीं क्रोध में आकर उन्हें श्राप न दे दें।

मांडव्य ऋषि ने यमराज को दिया था श्राप

इस पर यमराज ने ऋषि से कहा कि आपने बचपन में एक तितली को कांटा चुभाया था, उसी पाप के कारण आपको यह दंड मिला। इस पर मांडव्य ऋषि ने कहा कि शास्त्रों के अनुसार यदि कोई मनुष्य अज्ञानतावश पाप करता है, तो उसे स्वप्न में दंड दिया जाना चाहिए। तुमने मुझे शास्त्र विरुद्ध दंड दिया है, इसलिए मैं तुम्हें श्राप देता हूं कि तुम मनुष्य योनि में दासी-पुत्र के रूप में जन्म लोगे। मैत्रेय ऋषि ने अपनी बात पूरी करते हुए विदुर से कहा कि बस यमराज, तुम उसी श्राप के कारण कुरु राजवंश में दासी-पुत्र विदुर के रूप में जन्म लिए हो।

कोर्ट-कचहरी से मिलेगा छुटकारा बैशाख प्रदोष पर करें खास उपाय

वैशाख प्रदोष व्रत के दिन अगर संभव है तो पवित्र नदी में स्नान करें। भगवान शिव जी का ध्यान करें और धतूरे के पत्ते को पानी से धो लें। इसके बाद इन पत्तों को दूध से धोकर शिवलिंग पर चढ़ाएं। इसके बाद महादेव के वैदिक मंत्रों का जाप करें। मान्यता है कि जो भी व्यक्ति ये उपाय करता है, उसे कोर्ट-कचहरी के मामलों से छुटकारा मिलता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति इस दिन भगवान शिव के परिवार की पूजा-अर्चना श्रद्धापूर्वक करता है, उसके सभी दुखों का नाश होता है।

प्रदोष व्रत का ज्योतिष शास्त्र में विशेष महत्व माना गया है। यह हर माह के कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर पड़ता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति इस दिन भगवान शिव के परिवार की पूजा-अर्चना श्रद्धापूर्वक करता है, उसके सभी दुखों का नाश होता है। रविवार के दिन पड़ने वाले प्रदोष व्रत को रवि प्रदोष व्रत कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन देवों के देव महादेव की पूजा-अर्चना करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही सभी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है।

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत को बेहद कल्याणकारी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो भी इस दिन भक्ति भाव के साथ शिव-पार्वती की पूजा करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसके अलावा इस तिथि पर व्रत रखने से संतान की प्राप्ति होती है। अगर इस दिन कुछ खास उपाय किए जाएं, तो घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और बहुत सी परेशानियों से छुटकारा मिलता है। तो आइए यहां जानते हैं- हिंदू पंचांग के अनुसार, 5 मई, 2024 रविवार की शाम 5 बजकर 41 मिनट से वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि शुरू होगी और उसका समापन 6 मई, 2024 सोमवार को दोपहर 2 बजकर 40 मिनटपर होगा। ऐसे में उदयातिथि को देखते हुए इस बार वैशाख प्रदोष व्रत 5 मई, 2024 को रखा जाएगा। इस दिन ही भोलेनाथ का अभिषेक भी किया जाएगा।

मुकदमे से छुटकारे के लिए उपाय

वैशाख प्रदोष व्रत के दिन अगर संभव है तो पवित्र नदी में स्नान करें। भगवान शिव जी का ध्यान करें और धतूरे के पत्ते को पानी से धो लें। इसके बाद इन पत्तों को दूध से धोकर शिवलिंग पर चढ़ाएं। इसके बाद महादेव के वैदिक मंत्रों का जाप करें। मान्यता है कि जो भी व्यक्ति ये उपाय करता है, उसे कोर्ट-कचहरी के मामलों से छुटकारा मिलता है।

वैवाहिक जीवन में खुशहाली के लिए उपाय

वैशाख प्रदोष व्रत के दिन किसी शिव मंदिर में जाकर भगवान शिव और माता पार्वती पर एक साथ सात बार कलावा लपेटें। इस उपाय को करते समय ध्यान रखें कि मौली बांधते समय वह बीच से टूटे नहीं और न ही उसमें कहीं गांठ लगे। ऐसा करने से वैवाहिक जीवन में मधुरता आती है और रिश्तों की दूरियां भी समाप्त होती हैं।

प्रदोष व्रत करने का महत्व

हिंदू धर्म में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि जो भी व्यक्ति इस पवित्र दिन पर कठिन व्रत का पालन करता है, उन्हें सुख और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही भोलेनाथ की कृपा प्राप्त होती है। कुछ लोग इस विशेष दिन पर भगवान शिव के नटराज रूप की भी पूजा करते हैं।

12 साल बाद मेष राशि में बना गजलक्ष्मी राजयोग योग

4 राशियों को मिलेगा गजब का लाभ

मेष में शुक्र और बृहस्पति की युति के चलते गज लक्ष्मी योग का निर्माण हुआ है। ज्योतिष मान्यता के अनुसार मंगल की राशि मेष राशि में यह योग करीब 12 साल बाद बना है। इसी के साथ ही इस राशि में सूर्य के विराजमान होने से शुक्रादित्य योग और गुरु आदित्य योग का निर्माण भी हुआ है। गजलक्ष्मी योग के चलते 4 राशियों को बहुत लाभ होने वाला है।

शुक्र ग्रह ने 25 अप्रैल 2024 को मेष राशि में गोचर था। मेष राशि में पहले से ही गुरु ग्रह विरामान हैं। मेष में शुक्र और बृहस्पति की युति के चलते गज लक्ष्मी योग का निर्माण हुआ है। ज्योतिष मान्यता के अनुसार मंगल की राशि मेष राशि में यह योग करीब 12 साल बाद बना है। इसी के साथ ही इस राशि में सूर्य के विराजमान होने से शुक्रादित्य योग और गुरु आदित्य योग का निर्माण भी हुआ है। गजलक्ष्मी योग के चलते 4 राशियों को बहुत लाभ होने वाला है।

गजलक्ष्मी राजयोग क्या है?

ऐश्वर्य और धन के कारक ग्रह शुक्र और भाग्य, सुख एवं ज्ञान के कारण बृहस्पति ग्रह जब केंद्र भाव यानी प्रथम, चतुर्थ, सप्तम या दशम भाव में विराजमान हो तो गजलक्ष्मी योग का निर्माण होता है।

1. मेष राशि : मेष राशि में ही यह योग बना है जिसके चलते नौकरीपेशा जातकों की के लिए यह बहुत फायदेमंद है। पदोन्नति या वेतनवृद्धि करीब करीब तय है। सुख और समृद्धि के योग बन रहे हैं। व्यापारियों को गजब का लाभ होगा। परिवार में खुशहाली रहेगी।

2. कर्क राशि : आपकी राशि के कर्म के 10वें भाव में इस राजयोग का निर्माण हो रहा है। इसे कार्यक्षेत्र में आपकी चौगुनी उन्नति होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आमदनी के नए सोर्स डेवलप होंगे। रुका हुआ धन भी प्राप्त होगा और परिवार में सुखद माहौल रहेगा।

3. सिंह राशि : आपकी राशि के नौवें भाव में बना यह योग भाग्य को बलवान बनाकर लाभ देगा। इस योग के कारण विशेष धन लाभ होगा। नौकरी या व्यापार में किसी भी प्रकार की बाधा दूर होगी। आर्थिक स्थित मजबूत होगी। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

4. कुंभ राशि : आपकी राशि के तीसरे यानी पराक्रम भाव में यह योग बना है। इससे भाग्य और भाई बहनों का साथ मिलेगा। सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। घर-परिवार में सुख एवं शांति के माहौल के चलते धन-धान्य में वृद्धि होगी। सभी की सेहत में सुधार होगा।

कुंभ महापर्व में संतों के मुख से बहती है अमृत वाणी, जो भक्तों को दिखाती है सही राह

भारत में कुम्भ महापर्व का आयोजन इस देश के धर्म और संस्कृति का आधार है, जो इस बार 2025 में प्रयागराज में आयोजित होगा। साधु, संन्यासी अपने मोक्ष प्राप्ति को अपना लक्ष्य बनाकर, जीवन में सुख- शांति का अनुभव करते हैं। कुम्भ महापर्व के दौरान साधु, संतों, फकीरों, पुरोहितों, विचारकों आदि के मुखारविंद से दिव्यज्ञान की चर्चा से असंख्य श्रद्धालु लाभान्वित होते हैं जिससे उन्हें भौतिक लाभ के साथ अध्यात्मिक लाभ की प्राप्ति भी होती है। प्रयागराज की पावन धरती पर विगत वर्षों के कुम्भ महापर्वों में संत, महात्माओं के अनेक व्याख्यान मन को उर्जावान करते चले आ रहे हैं। ज्ञानीजनों से सुना है कि, एक बार अपनी विजय यात्रा के दौरान एक सम्राट को नदी तट के किनारे एक वृक्ष के नीचे एक साधु महाराज शांत प्रसन्नचित्त मुद्रा में बैठे दिखाई दिए। संन्यासी महात्मा के दिव्य तेज को देखकर सम्राट ने मन ही मन फैसला किया कि कुछ देर उनके सानिध्य में जाकर बैठा जाएं।

जब सम्राट साधु के पास पहुंचे तो साधु ने देखते ही एक ही सांस में कई

कुम्भ महापर्व के दौरान साधु, संतों, फकीरों, पुरोहितों, विचारकों आदि के मुखारविंद से दिव्यज्ञान की चर्चा से असंख्य श्रद्धालु लाभान्वित होते हैं जिससे उन्हें भौतिक लाभ के साथ अध्यात्मिक लाभ की प्राप्ति भी होती है।

प्रश्न उनसे पूछ डाले। साधु ने पूछा, 'आप कौन हैं? कहां से आए हैं? और आपका उद्देश्य और लक्ष्य क्या है?' प्रश्न के उत्तर में सम्राट ने बताया कि, 'मैं युद्ध के मार्ग पर प्रशस्त हूं तथा एक देश जीतने के बाद दूसरे देश को जीतने और विश्व विजय का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए निकला हूं।' साधु ने पूछा कि, 'अगला देश जीतकर आप क्या करेंगे?' सम्राट ने बताया, 'फिर दूसरा देश जीतूंगा और इस तरह पूरे विश्व पर विजय प्राप्त कर लूंगा।' साधु ने मुस्कुरा कर कहा, 'मान लो राजन! तुमने सारी दुनिया जीत ही ली है, तो अब बताओ, पूरी दुनिया जीतने के बाद तुम आखिर क्या करोगे?' इस पर सम्राट ने कहा, 'उसके बाद मैं शांति से आराम करूंगा।'

इस पर साधु महाराज जोर से अट्टहास करके हंसे और बोले, 'अगर तुम्हारा अंतिम उद्देश्य पूरी दुनिया को जीतने के बाद केवल शांति से आराम करना है, तो आओ, यहां मेरे निकट बैठो और निश्चिन्त होकर आराम करो, जैसा मैं कर रहा हूं।' यह सुनकर सम्राट का मन परिवर्तित हो गया, उसे अपने जीवन की सही दिशा एवं मोक्ष का ज्ञान मिल चुका था।

इमरान बॉलीवुड में करने जा रहे वापसी

बॉलीवुड एक्टर इमरान खान लंबे वक्त के बाद एक्टिंग की दुनिया में वापसी कर रहे हैं। इमरान खान आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के तहत बन रही फिल्म में एक्टिंग करते नजर आएंगे। इमरान खान ने साल 2008 में एक्टिंग की शुरुआत की थी और साल 2015 में बॉलीवुड से दूरी बना ली थी। पीपिंग मून में छपी खबर के मुताबिक, इमरान खान कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म का नाम 'हैप्पी पटेल' होगा। सूत्रों की मानें तो पिछले साल फिल्मों में वापसी का हिंट देने के लगभग आठ महीने बाद इमरान खान ने इस प्रोजेक्ट में काम करना कंफर्म किया है। इमरान खान फिल्म 'हैप्पी पटेल' में हैप्पी पटेल का किरदार निभाएंगे। गोवा में इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई है। रिपोर्ट की मानें तो 'हैप्पी पटेल' को वीर दास डायरेक्ट करेंगे। बता दें, ये वीर दास की पहली फिल्म होगी, जिसे वो डायरेक्ट करेंगे। इससे पहले इमरान खान और वीर दास आमिर खान प्रोडक्शन की फिल्म 'डेल्ही बेली' में साथ नजर आए थे। इससे पहले खबर थी कि इमरान खान डिजनी हॉटस्टार की एक स्पाई सीरीज के साथ एक्टिंग में वापसी करेंगे। हॉटस्टार और जियो के बीच डील के बाद इस प्रोजेक्ट को बंद कर दिया गया था। इमरान खान आमिर खान के भांजे हैं। कुछ वक्त पहले इमरान खान ने बॉलीवुड इंडस्ट्री को छोड़ने की वजह बताई थी। इमरान खान ने बताया था कि फिल्म 'कट्टी-बट्टी' की असफलता के चलते उन्होंने इंडस्ट्री छोड़ दी थी।

रणवीर सिंह बनेंगे राक्षस

हाल में हमने आपको जानकारी दी थी कि रणवीर सिंह तेलुगू फिल्म हनुमान बनाने वाले डायरेक्टर प्रशांत वर्मा के साथ एक प्रोजेक्ट में साथ नजर आने वाले हैं। अब इस खबर से जुड़ी बड़ी अपडेट सामने आई है। ताजा रिपोर्ट की मानें तो प्रशांत वर्मा एक्टर रणवीर के साथ राक्षस नाम की फिल्म बना रहे हैं। माइथोलॉजिकल फिल्म को मैथ्री प्रोड्यूस कर रहे हैं, जो इस साल के आखिर में शुरू होगी। फिल्म की कहानी देश की आजादी से पहले की है, जिसमें रणवीर शानदार किरदार में नजर आएंगे। रणवीर लंबे समय से डायरेक्टर प्रशांत वर्मा से किसी फिल्म को लेकर बातचीत कर रहे थे। ऐसी खबरें थीं कि रणवीर हुनमान के सीक्वल जय हनुमान में ही नजर आएंगे। लेकिन ताजा खबरों की मानें तो प्रशांत और रणवीर राक्षस पर काम कर रहे थे। फिल्म की कहानी शानदार होने वाली है। वहीं प्रोड्यूसर मैथ्री करोड़ो रुपये खर्च कर रहे हैं। फिल्म में हीरोइन कौन होगी फ़िलहाल इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन रणवीर के करियर के लिए ये फिल्म जरुरी होने वाली है। इस साल के अंत अत एक्टर शूटिंग शुरू कर देंगे। बता दें, रणवीर सिंह के फिल्मी करियर के लिए पिछले कुछ साल खास नहीं रहे। सर्कस, 83 जैसी फ्लॉप फिल्म देने के बाद अब आने वाली फिल्मों से उनकी बड़ी उम्मीदें हैं। इसके अलावा एक्टर के पास फरहान अख्तर की डॉन 3, आदित्य धर की बेनाम फिल्म है जिसकी शूटिंग अगले महीने शुरू होने की खबर है। रणवीर अपनी इन्हीं फिल्मों से 2025 में धमाका करेंगे।

सोनाली बेंद्रे ने की फेमिनिज्म पर बात

हाल ही में एक्ट्रेस नोरा फतेही ने फेमिनिज्म पर कमेंट किया था और इसे बकवास बताया था, जिसके बाद से ही वह लोगों के बीच चर्चा में बनी हुई हैं। उन्होंने रणवीर अलाहबादिया के पॉडकास्ट शो में कहा था, 'मुझे लगता है, फेमिनिज्म ने हमारे समाज को बर्बाद कर दिया है।' इस बयान के बाद कई लोगों के रिएक्शन भी सामने आए थे। वहीं अब बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने भी फेमिनिज्म को लेकर अपना रिएक्शन दिया है। इन दिनों सोनाली बेंद्रे, जयदीप अहलावत और श्रिया पिलगांवकर अपनी आगामी वेब सीरीज 'द ब्रोकन न्यूज' को लेकर सुर्खियों में हैं। तीनों कलाकार सीरीज के लिए जमकर प्रमोशन भी कर रहे हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू में फेमिनिज्म को लेकर इन कलाकारों ने अपनी राय रखी है। यूट्यूबर जेनिस सिक्वेरा को दिए एक इंटरव्यू में श्रिया पिलगांवकर ने कहा, "लोग गूगल पर फेमिनिज्म के असली मतलब की खोज नहीं करते हैं। फेमिनिज्म का अर्थ है बराबर का हक, यह कोई एकतरफा बात नहीं है... और मुझे लगता है कि अनजाने में बहुत से लोग पहले से ही फेमिनिस्ट हैं, लेकिन वे खुद को ऐसा बताते नहीं हैं, क्योंकि उनके लिए फेमिनिज्म मर्दों की निंदा करना है।" वहीं श्रिया की बात के बाद सोनाली बेंद्रे ने कहा-'फेमिनिज्म को लोगों ने पुरुष निंदा से परिभाषित कर दिया है जो सही नहीं है। फेमिनिज्म 'पुरुष-आलोचना' नहीं है। महिलाओं को समान अधिकार चाहिए, ना किसी को ऊपर या नीचा दिखाते हुए। हमें बैलेंस बनाए रखना होगा। बता दें कुछ समय पहले नोरा फतेही ने द रणवीर शो में कहा था, "मैं नारीवाद (फेमिनिज्म) पर विश्वास नहीं करती। असल में मुझे लगता है कि नारीवाद ने समाज को खत्म कर दिया है। इसने मर्दों का भी ब्रेनवॉश कर दिया है।" नोरा का कहना था कि अगर मर्द काम करेगा और परिवार की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी लेता है तो महिलाएं भी ढंग से पालन-पोषण कर पाएंगी।

त्रिशा शारदा सीता का किरदार निभाएगी

अप्रेल की शुरुआत के साथ ही नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' की शूटिंग शुरू हो गई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर राम के किरदार में नजर आएंगे तो वहीं सीता का रोल निभाएंगी साउथ की एक्ट्रेस पल्लवी। फिल्म को लेकर एक के बाद एक कई जानकारी सामने आ रहीं हैं। अब खुलासा हो गया है कि फिल्म में सीता के बचपन का रोल किस चाइल्ड एक्ट्रेस द्वारा निभाया जाएगा। टेलीचक्कर की रिपोर्ट के मुताबिक टीवी सीरियल भाग्य लक्ष्मी की चाइल्ड आर्टिस्ट त्रिशा शारदा भी नितेश तिवारी की फिल्म में नजर आएंगी। त्रिशा फिल्म में माता सीता के बचपन का रोल निभाएंगी। हालांकि, अभी फिल्म में त्रिशा के किरदार की ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। त्रिशा शारदा टीवी दुनिया की जानी-मानी चाइल्ड आर्टिस्ट हैं। त्रिशा ने सोनी टीवी के सीरियल 'यशोमती मैया के नंदलाला' में श्री कृष्णा की भुमिका में नजर आईं थीं। वहीं, 'बाल शिव' सीरियल में त्रिशा ने देवी कात्यायनी का किरदार निभाया था। अब त्रिशा के फैंस उन्हें रामायण में सीता का किरदार निभाता देख खुश होने वाले हैं। 27 अप्रेल को रामायण के सेट से कुछ तस्वीरें लीक हुई थीं, जिसमें पल्लवी सीता और रणबीर राम के किरदार में नजर आ रहे थे। जो तस्वीरें लीक हुईं थीं, उसमें रणबीर को मरहून और पर्पल रंग का आउटफिट पहने नजर आ रहे हैं।

कृष्णा मुखर्जी ने सुनाई अपनी आपबीती

कृष्णा मुखर्जी टीवी की जानी मानी अभिनेत्री हैं। टीवी सीरियल, 'ये है मोहब्बतें' से पॉपुलरैटी पाने वाली एक्ट्रेस ने 'नागिन 3', 'कुछ तो है : नागिन एक नए रंग में', 'शुभ शगुन' और अन्य फेमस डेली सोप में काम किया है। हाल ही में कृष्णा ने सोशल मीडिया पर अपने साथ हुए एक दर्दनाक एक्सपीरियंस का खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने शो 'शुभ शगुन' के मेकर्स पर हैरासमेंट का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर कर बताया है कि वह पिछले डेढ़ साल से शो के सेट पर काफी कुछ झेल चुकीं हैं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें शो के प्रोड्यूसर ने सेट पर काफी तंग किया है, जिसके कारण अब वह डिप्रेशन से जूझ रही हैं। उन्होंने कहा कि वह पहले इस मुद्दे पर बात करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रही थीं, लेकिन अब उन्होंने इसे अब और न दबाने का फैसला किया है। उन्होंने शो प्रोड्यूसर कुंदन सिंह को भी टैग करते हुए उन पर हैरासमेंट के आरोप लगाए हैं। इस पोस्ट से सोशल मीडिया पर ही नहीं बल्कि टीवी इंडस्ट्री में भी हलचल मच गई है। कृष्णा मुखर्जी ने पोस्ट में आपबीती बताते हुए लिखा, 'मुझमें कभी अपने दिल की बात कहने की हिम्मत नहीं थी, लेकिन आज मैंने फैसला किया कि मैं अब और नहीं रुकूंगी। मैं बहुत कठिन समय से गुजर रही हूं और पिछले डेढ़ साल मेरे लिए ये बिल्कुल भी आसान नहीं था। जब मैं अकेली थी तब मैं बहुत डिप्रेस्ड, उदास थी, बहुत रोई। यह सब तब शुरू हुआ, जब मैंने दंगल टीवी के लिए अपना आखिरी शो 'शुभ शगुन' करना शुरू किया। ये मेरी लाइफ का सबसे खराब फैसला था। मैं इसे कभी नहीं करना चाहती थी, लेकिन मैंने दूसरों की बात सुनी और कॉन्ट्रेक्ट साइन कर लिया। शो के निर्माता कुंदन सिंह और प्रोडक्शन हाउस ने मुझे कई बार परेशान किया है।' एक्ट्रेस ने आगे लिखा, उन्होंने एक बार मुझे मेरे मेकअप रूम में भी बंद कर दिया था क्योंकि मेरी तबीयत ठीक नहीं थी और मैंने शूटिंग न करने का फैसला किया था, क्योंकि वे मुझे मेरे काम के लिए पे भी नहीं कर रहे थे और साथ ही मैं अस्वस्थ थी। जब मैं अपने कपड़े बदल रही थी तब वे मेरे मेकअप रूम के दरवाजे को जोर-जोर से पीट रहे थे, जैसे कि वे इसे तोड़ देंगे।

आध्यात्मिक फिल्म The Light की भोपाल मे स्क्रीनिंग

ब्रह्माकुमारीज के संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा एवं ब्रह्माकुमारीज संस्था के इतिहास पर आधारित गॉडलीवुड स्टूडियो द्वारा निर्मित बहुचर्चित आध्यात्मिक एनीमेटेड फिल्म 'द लाइट' की भोपाल शहर औरा माल पी वी आर, त्रिलँगा, भोपाल मे प्रथम स्क्रीनिंग का कार्यक्रम आयोजित किया गया। फिल्म आध्यात्मिक शक्ति, नारी उत्थान एवं समाज कल्याण की विशेष अवधारणा पर आधारित है। फिल्म ब्रह्माकुमारीज के गाडलीवुड स्टूडियो द्वारा निर्मित है। 'द लाइट' फिल्म ब्रह्माकुमारी संस्था के साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा की परमात्मा के प्रति अटूट प्रेम और विश्वास तथा उनके तन से परमात्मा दिशानिर्देश द्वारा माताओं बहनों के द्वारा विश्व कल्याण के कार्य के लिए जुल्मों एवं सितमों के सहन की क्रंदित करने वाली ऐतिहासिक घटना का सिनेमेटिक तरीके से प्रदर्शन दर्शकों के आँखों को सजल तथा मन को भावविभोर कर देती है।

फिल्म के भोपाल शहर मे स्क्रीनिंग के उद्घाटन समारोह मे भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह जी, भारतीय जनसंचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक संजय द्विवेदी जी, ब्रह्माकुमारीज भोपाल जोन की निदेशिका अवधेश बहन जी, पार्षद रामबाबू पाटीदार जी, ब्रह्माकुमारीज ब्लेसिंग हाउस प्रभारी बी.के. डॉ. रीना दीदी, ब्रह्माकुमारीज सुख शांति भवन की निदेशिका बी के नीता दीदी, ब्रह्माकुमारीज कोलार सेवाकेन्द्र प्रभारी बी के किरण दीदी, बैरागढ़ सेवाकेन्द्र प्रभारी बी के प्रीति दीदी एवं भोपाल की अन्य वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी दीदियाँ उपस्थित थीं।

कार्यक्रम का उद्घाटन औरा माल पी वी आर मे दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। जिसमे सैकड़ों भाई बहनें उपस्थित थे। फिल्म देखने के लिए लोगों मे विशेष उत्साह था सुबह से ही लोग कतारों मे शो आरंभ होने का इंतजार कर रहे थे। महिलाओं के जीवन, सम्मान, सुरक्षा एवं शिक्षा जो वर्षो से जो चर्चा का विषय रहा हैं इस विषय पर ब्रह्मा कुमारी ? के साकार संस्थापक प्रजा पिता ब्रह्मा बाबा (लेखराजकृपलानी जी) द्वारा उनको ससक्त बनाने और विश्वकल्याण के कार्य में अमूल्य योगदान देने के लिए परमात्म प्रेरित करना अति सराहनीय कार्य हैं। इस फिल्म की कहानी संस्था के आदि लेखक जगदीश चन्द्र जी के लेखनी से लिखी किताब 'एक अदभुत जीवन कहानी' से ली गई हैं। ब्रह्माकुमारीज़ एक आध्यात्मिक संगठन है जो 137 देशों में सफलतापूर्वक आध्यात्मिकता का संदेश को प्रसारित कर आम जन के जीवन को सुख शांतिमय बनाने का कार्य करती है।

फिल्म के प्रीमियम समारोह मे कहा था कि उन्होंने बहुत सारी फिल्में बनाईं लेकिन इस फिल्म ने मुझे भावविभोर कर दिया कि कैसे यह संगठन फिल्म के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज हम सबके लिए अति सौभाग्य का दिन है जबकि फिल्म के माध्यम से दिखाया गया कि ब्रह्माकुमारी ब्रह्माकुमारीज ब्लेसिंग हाउस प्रभारी बी की डॉ रीना दीदी ने कहा कि दादा लेखराज के जीवन को 'द लाइट' फिल्म के जरिये देखने से यह पता चलता हैं की आध्यात्मिकता का मार्ग प्रारंभ मे कठिन लग सकता है परंतु उसके उद्देश्यों के सामने ए कठिनाईयां भी आसानी से पार हो जाते हैं । यह फिल्म दर्शकों को राजयोगी बनने के लिए प्रेरित करेगी मैं दृढ़ता से कहता हूं कि आज के युग एक ओर जहां हर जगह अराजकता और गड़बड़ी व्याप्तहै ऐसे में 'द लाइट' फिल्म देखना किसी सुखद अनुभवसे कम नहीं होगा। की मैं इस फिल्म को देख कर बहुत इमोशनल हो गई की किस तरह बाबा और दादियों ने कितना कुछ सहन किया था वो दृश्य सामने देख उनकी हिम्मत, त्याग, उमंग तथा उनकी तपस्या को याद दिला दिया। आज तक यज्ञ के इतिहास को हमने पढ़ा और सुना हैं लेकिन पहली बार यज्ञ के इतिहास को इस फिल्म के माध्यम से देखने मिला हैं। यह फिल्म नारी सशक्तिकरण की दिशा मे एक अच्छा प्रयास है।

"THE LIGHT" फिल्म ब्रह्माकुमारी संस्था के साकार संस्थापक पिताश्री ब्रह्मा बाबा की परमात्मा के प्रति अटूट प्रेम और विश्वास तथा उनके तन से परमात्मा दिशानिर्देश द्वारा माताओं बहनों के द्वारा विश्व कल्याण के कार्य के लिए जुल्मों एवं सितमों के सहन की क्रंदित करने वाली ऐतिहासिक घटना का सिनेमेटिक तरीके से प्रदर्शन दर्शकों के आँखों को सजल तथा मन को भावविभोर कर देती है।

फिल्म के क्रिएटिव प्रोड्यूसर सुजीत सरकार ने इस फिल्म के प्रीमियम समारोह मे अपना सन्देश देते हुए और कहा था कि मैंने माउंट आबू में ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय का दौरा किया हैं में यह सब देख कर आश्चर्य चकित रह गया की संसथान के सर्वोच्च प्रशासनिक पदों में महिलाये ही आसीन हैं और उन्होंने हमेशा पुरुषों के साथ साझेदारी में निर्णय लिए हैं। उनका यह सम्मान , समानता एवं विनम्रता आधारित नेतृत्व समूचे विश्व के लिए आदर्श मॉडल हैं। सुजीत सरकार ने इस वास्तव में महिलासशक्तिकरण के लिए कई काम करता है, जबकि दुनिया में, हम सभी केवल बात कर रहे हैं। ये एनीमेशन मूवी वाकई देखने लायक है। फिल्म के क्रिएटिव डायरेक्टर सुजीत सरकार जी को उनके फिल्मो के लिए 5 नेशनल फिल्म अवार्ड प्राप्त हुए है।

भोपाल महापौर मालती राय ने कहा कि फिल्म के 'द लाइट' फिल्म समाज कल्याण एवं नारी उत्थान के अच्छे उद्देश्य को लेकर बनाई गई फिल्म है और इस प्रकार की फिल्में जनता को देखनी चाहिए, ताकि वे कुछ आध्यात्मिक संदेश लेजा सकें। ब्रह्माकुमारीज भोपाल जोन की निदेशिका बी के अवधेश दीदी ने ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थापना कितनी पावरफुल रही उसको हम सबने शुरू से देखा। भगवान ने अपना दिव्य आलोकिक कार्य करने के लिए पिताश्री ब्रह्मा बाबा को चुना और उनके द्वारा इतना बड़ा कार्य कराया जो सारे विश्व के अंदर आज आध्यात्मिकता का जबरदस्त प्रचार प्रसार हो रहा है यह इतने बड़े निश्चय की बात, इतने बड़े त्याग की बात इतनी बड़ी तपस्या की बात है। आज हमारे अंदर परिस्थितियों को सहन करने की ताकत होनी चाहिए। जैसा कि इस फिल्म मे दिखाया कि आज ब्रह्माकुमारीज मे बड़ी बड़ी दादिया हैं वो स्थापना के समय छोटी छोटी बच्चियाँ थी उनमें कितना अदम्य साहस, निश्चय, कुर्बानी की भावना थी। सारे विश्व को ब्रह्माकुमारीज की स्थापना की त्याग तपस्या एवं नारी सशक्तिकरण के कार्य से अवगत कराना चाहिए। आज सबको मालूम हो रहा है कि नारी शक्ति की मिसाल ब्रह्माकुमारीज है।

भारतीय जनसंचार संस्थान के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी जी ने कहा कि बहुत ही सुंदर फिल्म बनी है। सुजीत सरकार एक जाने माने फिल्म डायरेक्टर हैं पर जिस भावना के साथ यह फिल्म बनाई है उसको देखकर व्यक्ति रूमानचित हो जाता है और आज जब हम संस्था की यात्रा को देखते हैं उसके उत्कर्ष को देखते हैं तो हम ए माँ सकते हैं कि यह वास्तविक दैवीय कार्य है ईश्वरीय कार्य है। साधारण व्यक्ति इसे नहीं कर सकता जरूर इसके पीछे ईश्वर का गहरा आशीर्वाद है बहुत गहरी इसकी संकल्पना है जो यह कार बहनों के माध्यम से करवा रहे हैं। विश्व के बहुत बड़े मूवमेंट को लेकर चलने वाली संस्था के नाते हम सब जानते है। इस फिल्म को देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा। यह फिल्म जीतने लोगों तक पहुच सके उससे बहुत सकारात्मक संदेश जाएगा संस्था किस प्रकार आगे बढ़ी है उसकी नीव कितनी मजबूत है किस तरह दूसरे स्थान से आकार के यात्रा प्रारंभ की वह बहुत ही सराहनीय है। मई इस फिल्म की सफलता की कामना करता हूँ।

संस्थान के इस फिल्म के लिए गौरव की बात यह है की, पिछले वर्ष नवम्बर महीने में गोवा में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल जो कि भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जाता है उसमे इस फिल्म की स्क्रिनींग हूई थी तथा दर्शकों से काफी प्रशंसा मिली थी।

सपा नेता की हत्या में 6 को उम्रकैद

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के दादरी में हुए सपा नेता रामटेक कटारिया हत्याकांड में

जिला न्यायालय ने 6 लोगों को उम्र कैद की सजा सुनाई है। इस मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रणविजय प्रताप सिंह और सरकारी अधिवक्ता के रूप में नितिन कुमार त्यागी ने की।

जिला न्यायालय ने इस मामले में 6 व्यक्ति बालेश्वर, राणा उर्फ कपिल, अनु, कृष्णा, चंद्रपाल और नितेश को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इस मामले में 9 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था। जिसमें से 3 बरी हो गए हैं। रमते कटारिया की हत्या वर्ष 2019 में हुई थी। उनको दिनदहाड़े गोलियों से भूनकर मौत के घाट उतार दिया गया था।

रमेश कटारिया हत्याकांड का बदला लेने के लिए रामटेक की हत्या की थी। आरोपियों के शक था कि रमेश की हत्या में रामटेक शामिल था। पुलिस के अनुसार, दादरी के गांव गढ़ी में 31 मई 2019 को दिनदहाड़े रामटेक की चार गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी।

दादरी कोतवाली प्रभारी नीरज मलिक की टीम ने बील अकबरपुर तिराहे के नजदीक से रामटेक के चचेरे भाई सभासद बालेश्वर कटारिया, उसके भतीजे कपिल निवासी गांव गढ़ी और मामा के लड़के नीतेश निवासी खेड़ी भनौता सूरजपुर को गिरफ्तार कर लिया था। इन आरोपियों के कब्जे से हत्या में इस्तेमाल की गई दो पिस्टल, तमंचा और एक आल्टो कार बरामद की गई थी।

बालेश्वर तीन बार से वार्ड सभासद है। बालेश्वर और रामटेक के दादा दोनों भाई थे। जमीन के बंटवारे में चली रंजिश आगे चलकर वर्चस्व की लड़ाई बन गई। वर्ष 2018 में बालेश्वर के भाई रमेश का शव अलीगढ़ में रेलवे ट्रैक के किनारे मिला था। उस दौरान रामटेक के खिलाफ नामजद हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने जांच में रामटेक को क्लीन चिट दी थी, लेकिन बालेश्वर भाई की हत्या में रामटेक को ही जिम्मेदार मानता था।

कैम्प में 78 फ्लैट बॉयर्स की हुई रजिस्ट्री

सेक्टर-107 में लगा लिगेसी स्टाल्ड रियल स्टेट प्रोजेक्ट्स के फ्लैटों की रजिस्ट्री कैम्प

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-107 स्थित ग्रेट वेल्यू शरणम सोसायटी के 78 फ्लैट बॉयर्स के पक्ष में रजिस्ट्री की गई। रजिस्ट्री कैम्प का आयोजन सुबह 10 बजे सोसायटी के परिसर में शुरू हुआ।

इस प्रोजेक्ट में आबंटियों ने 25 प्रतिशत धनराशि के रूप में रू0 49.38 करोड़ जमा कराये गये। जिसके सापेक्ष 234 रजिस्ट्री की अनुमति निर्गत की गयी है। रजिस्ट्री कैम्प में कुल 78 पलैटस बायर्स के पक्ष में रजिस्ट्री की कार्यवाही सम्पन्न हुई। वर्षों से रूकी हुई रजिस्ट्री सम्पन्न होने से फ्लैट बायर्स में हर्ष का माहौल था तथा बायर्स रजिस्ट्री कराने में काफी उत्साहित नजर आये। फ्लैट बायर्स द्वारा मौके पर उपस्थित डॉ0 लोकेश एम0, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, नौएडा का रजिस्ट्री कैम्प का आयोजन किये जाने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने बिल्डर को निर्देश दिये गये कि अवशेष रजिस्ट्रियाँ इसी सप्ताह पूर्ण करा लें।

रजिस्ट्री कैम्प में रजिस्टी कार्यालय के तीनों सर्किल के उप निबन्धक तथा सहायक महानिबन्धक-स्टाम्प अपनी पूरी टीम के साथ नौएडा प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी क्रान्ति शेखर सिंह एवं अन्य अधिकारी / कर्मचारी उपस्थित थे।

प्राधिकरण ने 12500 वर्ग मीटर जमीन पर चलाया बुलडोजर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की टीम ने आज पर्थला खंजरपुर

82 करोड रुपए की जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई

तथा बसई गांव में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाकर करीब 12500 वर्ग मीटर जमीन अतिक्रमण से मुक्त कर ली है। इस जमीन की बाजारी कीमत तकरीबन 82 करोड रुपए आंकी गई है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि पृथला खंजरपुर गांव के पास हिंडन नदी के करीब डूब क्षेत्र में माफियाओं ने 8000 वर्ग मीटर जमीन पर अवैध कब्जा करके मकान तथा भवन आदि निर्माण कर लिया था। प्राधिकरण की भूलेख विभाग की टीम तथा वर्क सर्किल की टीम ने पुलिस बल के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए सभी अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिया। इसके बाद नोएडा प्राधिकरण की टीम ने बसई गांव के खसरा संख्या-59,60,61 तथा 62 सेक्टर-68 में भूखंड संख्या 27ए जो पार्क के लिए नियोजित थी। उस पर भूमाफियाओं ने अवैध कब्जा कर लिया था।

नोएडा प्रकरण की टीम ने यहां पर 4500 वर्गमीटर की जमीन पर हुए निर्माण तथा टीन शेड की चारदिवारी को ध्वस्त कर दिया तथा जमीन को अतिक्रमण से मुक्त करा लिया।

इस जमीन की बाजारी की कीमत तकरीबन 34 करोड रुपए बताई जा रही है। नोएडा प्राधिकरण की टीम ने मदरहुड अस्पताल सेक्टर- 48 के सामने किए जा रहे अवैध निर्माण को मौके पर जाकर रूकवाया तथा शटरिंग ध्वस्त की दी।

प्राधिकरण की वर्क सर्किल-3 के अधिकारियों ने थाने में अतिक्रमणकर्ताओं के खिलाऊ एफआईआर दर्ज करवा दी है। प्राधिकरण द्वारा चलाए गए आज के अभियान से भू-माफियाओं तथा आक्रमणकारियों में हड़प्पा मचा हुआ है।

एससी/एसटी दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना की फीस लॉक करने के निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। जिला समाज कल्याण अधिकारी

गौतमबुद्धनगर शैलेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति (शैक्षणिक भत्ता एवं शुल्क प्रतिपूर्ति) योजना अंतर्गत विश्वविद्यालय/एफिलियेटिंग एजेंसी स्तर पर फीस लॉक किए जाने के लिए 30 अप्रैल से 03 मई 2024 तक एजेंसी के नोडल अधिकारी द्वारा फीस को अंकित कर डिजिटल हस्ताक्षर से ऑनलाइन सत्यापित एवं 04 मई से 07 मई 2024 तक एजेंसी के नोडल अधिकारी द्वारा भरी गई फीस को अथवा फीस अंकित कर डिजिटल हस्ताक्षर से सत्यापित कर लॉक किया जाएगा। उन्होंने जनपद गौतमबुद्धनगर में संचालित समस्त निजी एवं सरकारी विश्वविद्यालय/ एफिलियेटिंग एजेंसियों से कहा कि शासन द्वारा संचालित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति (शैक्षणिक भत्ता एवं शुल्क प्रतिपूर्ति) योजना के अंतर्गत निर्गत समय सारणी के अनुसार फीस लॉक करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

पारस प्रेस्टीज आरडब्ल्यूए के चुनाव सम्पन्न

दीपक कुमार मंगल अध्यक्ष बने तो अजय दुबे उपाध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। पारस प्रेस्टीज रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, सेक्टर-93ए की कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न हो गए हैं। नई कार्यकारिणी में दीपक कुमार मंगल अध्यक्ष चुने गए हैं। जबकि जे.एल. शर्मा उपाध्यक्ष, अजय दुबे सचिव, अमित गोयल कोषाध्यक्ष तथा श्रीमती अलका भटनागर, श्रीमती छवि सिरोहा नागर, कर्नल राजकुमार शर्मा, संदीप राणा, विशाल गुप्ता, विशाल सूद सदस्य के पद पर चुने गए।

चुनाव पर्यवेक्षक आनंद नंदन, पी.एन. शरण, राजीव राणा सभी निवासियों को शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव में भाग लेने के लिए धन्यवाद किया। अध्यक्ष श्री मंगल जी ने कहा की समिति के विकास के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

प्राचीन बाराही मेला-2024

...जब हीर रांझा की रागनियों पर झूम उठे दर्शक !

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर में चल रहे प्राचीनकालीन ऐतिहासिक बाराही मेला-2024 के सातवें रागनी सम्राट स्व0 महाशय कौसिंदर खदाना और ऋषिपाल की शिष्य मंडली से तरूण बलियान और कोमल चौधरी ने हीर रांझा के किस्से पर आधारित 6 रागनियां प्रस्तुत करते हुए रागनी कलाकार ज्ञानेंद्र सरदाना के रिकार्ड को तोड डाला। रागनी सम्राट स्व महाशय कौसिंदर खदाना के शिष्य तरूण बलियान ने उनके अंदाज में ही एक से बढ कर एक रागनियों की प्रस्तुति देते हुए खूब वाहवाही लूटी। प्राचीनकालीन बाराही मेले में इस बार एक की किस्से की 5 रागनियों का रिकार्ड ज्ञानेंद्र सरदाना एंड पार्टी के नाम रहा है किंतू तरूण बालियान ने हीर रांझे के किस्से से 6 रागनियों की प्रस्तुति देते हुए तोड दिया। तरूण बलियान ने सीमा हैदर पर अधारित रागनी-- सीमा हैदर न मानी डर, जब प्यार चढा परवान, जब छोड के आ गई पाकिस्तान..... रागनी की प्रस्तुति देते हुए खूब वाहवाही लूटी। तरूण बालियान और कोमल चौधरी की जोडी ने हीर रांझे के किस्से से 6 रागनियां के अलावा फौजी फौजन की चिट्ठी, इंसान की तुलना पेड से आदि प्रसंगों पर कई रागनियां की प्रस्तुति दी। चमन कपासिया ने नरसी के भात के किस्से से रागनी प्रस्तुत की। तरूण बलियान के बोल--- हीर जाने वाले रूक जईयो जरा, खता क्या है मेरी बतईयो जरा..... सुन कर श्रोता मंत्रमुग्ध होते हुए नजर आए। वहीं सगुन चौधरी ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति देते हुए खूब धमाल मचाया। वहीं सूरजपुर से आए कवि अजीमुद्दीन सैफी नारी शक्ति पर आधारित कविता प्रस्तुत करते हुए खूब वाहवाही लूटी। नन्ही बच्ची रिया ने-- मेरा बालम छेल छबीला मै तो नाचूंगी... पर नृत्य प्रस्तुत करते हुए लोगो का दिल जीत लिया। हरियाणा और राजस्थान के कलाकारों तथा उमा पब्लिक स्कूल सूरजपुर के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

बाराही मेले का 7वां दिन

पल्ला गांव से रेलवे में चयनित हुए आईएएस दीपक भाटी को माल्यापर्ण और स्मृति चिन्ह भेंट कर शिव मंदिर सेवा समिति ने स्वागत किया। ऐतिहासिक बाराही मेला-2024 की समापन समारोह की श्रंखला में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण और सूर्या कंपनी की ओर से पथ प्रकाश की बेहतर व्यवस्था किए जाने पर माल्यापर्ण और स्मृति चिन्ह देते हुए मनोज दूबे, कैलाश, उमाकांत प्रबंधकगण और सुपरवाईजर नागेश शर्मा को सम्मानित किया। रात्रिकालीन इस कार्यक्रम का समापन प्रति दिन भांति हुनमान चलीसा के पाठ के साथ हुआ।

मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा ने बताया कि कल दिनांक 30 अप्रैल-2024, मंगलवार की सांय हरियाणा और राजस्थान के कलाकारों तथा भारती पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। जब कि रात्रिकालीन रागनियों के रंगारंग कार्यक्रमों में उपेंद्र राणा, सरिता कश्यप एंड पार्टी के कलाकारों शीशपाल भाटी, तेजवीर विधूडी, अर्जलि चौधरी, काजल तौमर, प्रिया, देवेंद्र शर्मा, मोनू खटौला आदि कलाकार खास प्रस्तुतियां देंगे।

इस मौके पर शिव मंदिर मेला समिति के अध्यक्ष धर्मपाल भाटी, महासचिव ओमवीर बैंसला, कोषाध्यक्ष लक्ष्मण सिंघल, मीडिया प्रभारी मूलचंद शर्मा और योगेश अग्रवाल, दीपक भाटी एडवोकेट, सतपाल शर्मा एडवोकेट, सुभाष शर्मा जिंस वाले, धर्मवीर तंवर, महाराज सिंह उर्फ पप्पू, हरिकिशन आदि मेला समिति के पदाधिकारी और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

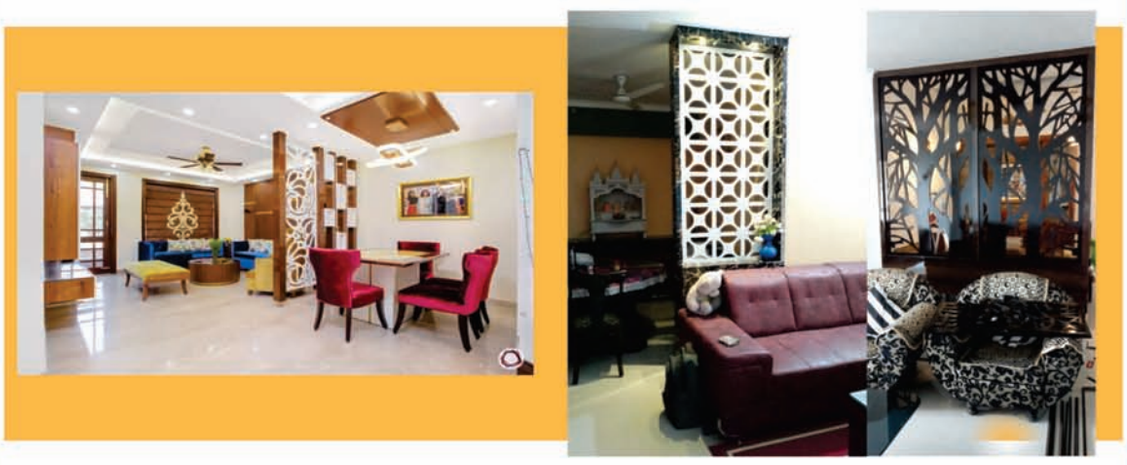

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com